दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। सोमवार 17 मार्च-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 85 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

'संघ से मुझे जीवन के संस्कार मिले...' : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मशहूर अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के बीच बातचीत का पॉडकास्ट आज रविवार को रिलीज हो गया है। इस बातचीत में पीएम मोदी ने कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इसमें पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फ्रर) की उनके जीवन में अहम भूमिका, समाज में इसके योगदान और अपने व्यक्तिगत अनुभवों पर विस्तार से चर्चा की। लेक्स ने उनसे सवाल पूछा कि जब आप आठ साल के थे, तब फ्रर में शामिल हो गए थे, जो हिंदू राष्ट्रवाद के विचार का समर्थन करता है। क्या आप मुझे आरएसएस के बारे में बता सकते हैं? आप पर और आपके राजनीतिक विचारों के विकास पर उनका क्या प्रभाव पड़ा?

इसके जवाब में पीएम मोदी ने कहा कि बचपन से ही मुझे हमेशा किसी न किसी काम में लगे रहने की आदत थी। मुझे याद है कि मकोशी नाम का एक आदमी था, मुझे उसका पूरा नाम ठीक से याद नहीं है, मुझे लगता है कि वह सेवा समूह का हिस्सा थे। वह अपने साथ एक ढफली जैसा रखते थे। वह अपनी गहरी, दमदार आवाज में देशभक्ति के गीत गाते थे। जब भी वह हमारे गांव में आते थे तो अलग-अलग जगहों पर कार्यक्रम करते थे। मैं उनके पीछे पागलों की तरह दौड़ता रहता था, बस उनके गाने सुनने के लिए। मैं पूरी रात उनके देशभक्ति के गाने सुनता रहता था। मुझे इसमें मजा आता था, मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन बस मजा आता था।

उन्होंने कहा कि हमारे गांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की एक शाखा थी, जहां देशभक्ति के गीत चलते थे। उन गीतों की कुछ बातें मुझे बहुत छू गईं। और इस तरह मैं आरएसएस का हिस्सा बन गया। आरएसएस में हमें जो मूल मूल्य दिए गए।

मयंक गोयल के सिर पर सजा भाजपा महानगर अध्यक्ष का ताज

सांसद सिद्धार्थ नाथ सिंह ने की मंच से घोषणा

गाजियाबाद सांसद अतुल गर्ग भी रहे साथ

गाजियाबाद, करंट क्राइम : आखिरकार लंबे समय से चला आ रहा भाजपा महानगर और जिलाध्यक्ष की घोषणा का इंतजार रविवार को दोपहर लगभग 02 :45 बजे समाप्त हो गया। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और वर्तमान में सांसद व प्रभारी सिद्धार्थ नाथ सिंह ने रविवार को राज नगर एक्सटेंशन स्थित गोल्डन व्यू रिसोर्ट में भाजपा महानगर अध्यक्ष के घोषणा कार्यक्रम में मंच से भारतीय जनता पार्टी गाजियाबाद के महानगर अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा की। जिसके बाद उन्होंने महानगर अध्यक्ष पद के लिए भाजपा नेता मयंक गोयल का नाम लिया । मयंक गोयल के नाम की घोषाा होते ही पूरे हॉल में मयंक गोयल के नारों की गूंज सुनाई दे गई। वहीं पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मयंक गोयल को कंधे पर उठा लिया। जिसके बाद फूल मालाओं से उनका स्वागत किया गया। तो वहीं भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारे गूंज उठे। घोषणा करते हुए सिद्धार्थ नाथ ने सभी को धन्यवाद दिया और कहा कि मयंक गोयल पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ अपने पद का निर्वहन करेंगे। मंच पर आते ही नवनियुक्त भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने भारत माता की जय का नारा लगाया और इसके बाद हाथ जोड़कर सभी का आभार जताते हुए सभी का धन्यवाद भी किया। जिसके बाद लगातार उनका स्वागत और बधाई देने वालों का ताता लगा रहा।

लंबे समय से चल रहा सस्पेंस हुआ खत्म, दैनिक करंट क्राइम ने पहले ही बता दिया था वैश्य फैक्टर रहेगा हावी

कई महीनो से चला आ रहा, सस्पेंस हो गया खत्म

करंट क्राइम : भारतीय जनता पार्टी के संगठन ने प्रदेशभर में जिला और महानगर अध्यक्षों की घोषणा की। जिसके बाद गाजियाबाद महानगर भाजपा अध्यक्ष के रूप में मयंक गोयल को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मयंक गोयल भारतीय जनता पार्टी में पहले महामंत्री और क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के साथ ही कई अन्य पद भी संभाल चुके हैं। उनकी मां स्वर्गीय दमयंती गोयल गाजियाबाद की महापौर रह चुकी हैं। उनका पूरा परिवार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के करीब रहा है। उनके दादा और पिताजी भाजपा और आरएसएस के कार्यक्रमों में प्रमुखता से नजर आते हैं। शहर में वैश्य परिवार के रूप में भी उनकी अलग पहचान है। बता दें कि लंबे समय से भाजपा महानगर अध्यक्ष पद की रेस वाला जो सस्पेंस चल रहा था आखिरकार वो रविवार को समाप्त हो गया है।

जब हो रही थी घोषणा, तब अन्य दावेदार भी रहे मौजूद

करंट क्राइम : मंच पर सांसद सिद्धार्थ नाथ जिस वक्त बीजेपी के नए महानगर अध्यक्ष पद की घोषणा कर रहे थे, तो उस वक्त कार्यक्रम और मंच के इर्द-गिर्द वे दावेदार भी मौजूद थे, जो बीते कई महीनो से खुद को अध्यक्ष पद पर घोषित कराने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे थे। वह संगठन से लेकर निजी संबंधों को मजबूत बनाने का प्रयास कर रहे थे। एक मौका तो यह भी था सिद्धार्थ नाथ के आने से पहले मयंक गोयल, पवन गोयल और मानसिंह गोस्वामी एक साथ एक ही फ्रेम में पोज देते हुए नजर आ रहे थे। वहीं तीनों के चेहरों के भाव भी खुश नजर आ रहे थे। जिस वक्त सिद्धार्थ नाथ सिंह ने महानगर अध्यक्ष भाजपा गाजियाबाद की घोषणा की उस वक्त इस कार्यक्रम में पवन गोयल, मानसिंह गोस्वामी ,गोपाल अग्रवाल, बॉबी त्यागी व पप्पू पहलवान वहीं मौजूद रहे।

चैनपाल बसोया बने जिलाध्यक्ष

गाजियाबाद, करंट क्राइम : भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी गई है। जिसमें गाजियाबाद जिलाध्यक्ष के रूप में चैनपाल बसोया का नाम घोषित किया गया है। रविवार को नेहरू नगर स्थित भाजपा कार्यालय पर भाजपा नेताओं और पदाधिकारियों के बीच जिलाध्यक्ष के नाम की लखनऊ से घोषणा की गई।

चैनपाल बसोया का नाम जैसे ही जिलाध्यक्ष के रूप में घोषित किया गया उनको बधाईयां मिलनी शुरु हो गई। वहीं विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने स्वागत किया। तो वहीं अन्य भाजपा नेताओं ने उन्हें पगड़ी और फूल माला पहनकर स्वागत किया। चैनपाल बसोया ने उनको नई जिम्मेदारी सौंपे जाने पर भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और प्रदेश पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि वह जिले के संगठन को साथ लेकर चलेंगे। बता दें कि लंबे समय से भाजपा के जिला और महा नगर अध्यक्ष की घोषणा का मामला अटका हुआ था। तो जो रविवार को लखनऊ से हुई घोषणा के बाद समाप्त हो गया है।

और जब घोषणा होते ही भाजपा पदाधिकारियों ने मयंक गोयल को उठा लिया कंधे पर

करंट क्राइम : जैसे ही प्रभारी सिद्धार्थ नाथ ने महानगर अध्यक्ष पद के लिए मयंक गोयल के नाम की घोषणा की , तो घोषणा होते ही पूरा हॉल मयंक गोयल जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा और भाजपा के कार्यकर्ताओं और संगठन के पदाधिकारियों ने मयंक गोयल को कंधे पर बैठा लिया और मंच पर लेकर पहुंचे। वहीं मंच पर पहुंचते ही मयंक गोयल ने सभी का सिर झुका कर आभार जताया और फिर सभी का अभिवादन स्वीकार किया।

घोषणा के वक्त यह भी रहे मौजूद

करंट क्राइम : भाजपा के नए महानगर अध्यक्ष की घोषणा के वक्त मुख्य रूप से मौजूद रहने वालों में गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग, मुरादनगर से विधायक अजीत पाल त्यागी, बलदेव राज शर्मा, पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर, अशोक गोयल, राजेंद्र त्यागी, प्रदीप चौहान पवन गोयल, अजय शर्मा, सुशील गौतम, बॉबी त्यागी, विशेश्वर त्यागी, अशोक मोंगा, मधुकर त्यागी, राजेश्वर प्रसाद, सरदार एसपी सिंह, पृथ्वी सिंह कसाना, पूर्व महापौर आशु वर्मा, बॉबी त्यागी, सचिन टेढ़ा, रनीता सिंह, विजय गोयल योगेश भाटी, मनोज गोयल, गौरव चौपड़ा, सुरेंद्र नागर, गुंजन शर्मा, आलोक शर्मा, कुलदीप कसाना, सुधीर त्यागी, पप्पू पहलवान, मानसिंह गोस्वामी, पंकज भारद्वाज, सचिन डागर, राहुल शर्मा, आशीष चौधरी, विनय चौधरी, योगेश त्रिपाठी, डब्बी पहलवान, अजय शर्मा, वीरेंद्र सारस्वत, संजीव झा, सत्येंद्र चौधरी, केडी त्यागी, संजय त्यागी, संदीप त्यागी, कुलदीप त्यागी, अमित त्यागी मनोज गोयल, सुनील यादव, सत्येंद्र सिंह, पिंटू तोमर, प्रदीप चौधरी, राजेंद्र मित्तल मेहंदी वाले, संजीव मित्तल सचिन सोनी, साहब सिंह सिरोही और दीपक राघव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

करंट क्राइम की खबर रही सटीक, होली से पहले बता दिया था वैश्य होगा महानगर अध्यक्ष

करंट क्राइम : भाजपा का अगला महानगर अध्यक्ष कौन होगा, इसको लेकर दैनिक करंट क्राइम लगातार सटीक और महत्वपूर्ण जानकारियां अपने पाठकों तक पहुंचाने का काम कर रहा था। बीते दिनों होली पर्व से पूर्व दैनिक करंट क्राइम ने खबर में बताया था कि गाजियाबाद में वैश्य फैक्टर महानगर अध्यक्ष पद पर भारी रहने वाला है। इसमें मयंक गोयल के नाम की भी चर्चा की गई थी। साथ ही यह भी जानकारी दी गई थी कि किस तरीके से यह जातिगत समीकरण बन रहे हैं। वहीं समय-समय पर महानगर अध्यक्ष पद की फाइल और फाइट को लेकर जो सूचनाएं और जानकारी आती थी, उसे करंट क्राइम ने खबरों के माध्यम से पाठकों तक हर संभव सूचना पहुंचाने का भी काम किया।

16 मार्च को होगी भाजपा जिला और महानगर अध्यक्ष की घोषणा
चुनाव अधिकारी भाजपा कार्यालय पर आकर करेंगे नाम घोषित

करंट क्राइम। नवनियुक्त भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल को बधाई देते भाजपा नेता संजीव गुप्ता।

मयंक गोयल ने कहा सभी को लेकर चलूंगा साथ, मुझे मिला है भगवान श्रीराम का आशीर्वाद

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नवनियुक्त भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जिस तरीके से संगठन मंत्री, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश के संगठन, दोनों डिप्टी सीएम, सांसद, विधायकों और भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उन पर भरोसा जताया है, वह उसका सम्मान करते हैं। उन्होंने बताया कि वह सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ से लेकर नए पदाधिकारियों को साथ लेकर चलेंगे। नवनियुक्त भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा है कि उनको यह आशीर्वाद भगवान श्री राम की कृपा की वजह से ही मिला है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि उनका पूरा परिवार राष्ट्रीय स्वयंसेवक एवं भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा रहा है। उन्होंने अपनी माता जी स्वर्गीय दमयंती गोयल को भी इस अवसर पर याद किया और कहा कि आज वह जिस पद पर पहुंचे हैं, इसमें उनके दादा और पिता के साथ ही भारतीय जनता पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता और पदाधिकारी का सहयोग और साथ है।

जब मंच पर मयंक गोयल ने लिया सांसद अतुल गर्ग से पैर छूकर आशीर्वाद

करंट क्राइम : भाजपा महानगर अध्यक्ष की घोषणा हो गई है और इस घोषणा में अतुल गर्ग सांसद गाजियाबाद की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यही वजह है कि जब नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल मंच पर चढ़े तो उन्होंने सांसद अतुल गर्ग के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिया और अन्य पदाधिकारी जैसे पूर्व महानगर अध्यक्ष रहे अजय शर्मा, पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर, मानसिंह गोस्वामी, पप्पू पहलवान और अन्य पदाधिकारियों का भी नाम लेते हुए आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया।

दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर पहुंचे नवनियुक्त भाजपा महानगर अध्यक्ष

करंट क्राइम : नवनियुक्त भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल का दोपहर से लेकर देर रात तक स्वागत चलता रहा। पहले राजनगर स्थित गोल्डन व्यू रिसोर्ट में स्वागत कार्यक्रम चला। तो फिर उनके अशोक नगर स्थित आवास पर कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने स्वागत किया और उनका मुंह मीठा कराने के लिए भीड़ लगी रही। वहीं देर शाम नवनियुक्त भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल अपनी पत्नी के साथ दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान भोले बाबा का आशीर्वाद दिया। पूजा अर्चना की तो वहीं दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर के महंत नारायण गिरी से भी आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उनकी पत्नी साथ मौजूद रहीं। साथ ही कार्यकताओं ने भी मयंक गोयल से मुलाकात की और उनको महानगर अध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई दी।

आज से शुरू हो जाएगी गेहूं की खरीद, 48 घंटे के अंदर होगा भुगतान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आज से गेहूं की खरीद शुरू हो जाएगी। 6500 केंद्रों पर यह 15 जून तक चलेगी। इस बार समर्थन मूल्य पिछली बार से 150 रुपये प्रति कुंतल बढ़ाकर 2425 रुपये प्रति कुंतल रखा गया है। पिछले वर्ष गेहूं का समर्थन मूल्य 2275 रुपये प्रति कुंतल था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खरीद के 48 घंटे के भीतर भुगतान करने के निर्देश दिए हैं।

सीएम ने क्रय केंद्रों पर आने वाले किसानों के लिए भी समुचित व्यवस्था करने की बात कही। मोबाइल केंद्र के माध्यम से किसानों के गांवों में जाकर भी खरीद होगी।

गेहूं की बिक्री के लिए पहली मार्च से पंजीकरण प्रारंभ हो चुका है। अब तक प्रदेश के 2.65 लाख से अधिक किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। विभाग ने किसानों से अनुरोध किया है कि गेहूं को ओसाकर, मिट्टी, कंकड़, धूल आदि को साफकर अच्छी तरह से सुखाकर ही क्रय केंद्र पर बिक्री के लिए लेकर आएं। इस वर्ष भी बटाईदार किसानों द्वारा भी पंजीकरण कराते हुए गेहूं की बिक्री की जा सकेगी।

खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक रविवार व अन्य अवकाशों को छोड़कर 15 जून तक क्रय केंद्रों पर गेहूं खरीद प्रतिदिन सुबह 8 से रात्रि 8 बजे तक होगी। योगी सरकार ने निर्देश दिया है कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। विभाग ने इसकी तैयारी भी कर ली गई है। किसी भी विषम परिस्थितियों के लिए खाद्य व रसद विभाग ने टोल फ्री नंबर 18001800150 जारी किया है। किसी भी समस्या के समाधान के लिए किसान जिला खाद्य विपणन अधिकारी या तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी या ब्लॉक के विपणन अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

केंद्र सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए 2425 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया है। पिछले वर्ष यह मूल्य 2275 रुपये प्रति कुंतल था।

संभल की जामा मस्जिद में रंगाई-पुताई का काम शुरू

एएसआई की टीम के साथ कमेटी के लोग भी मौजूद

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित जामा मस्जिद में रविवार की सुबह रंगाई-पुताई का काम शुरू हो गया है। मजदूरों ने संभल जामा मस्जिद की दीवारों पर पुताई का काम शुरू कर दिया है। एएसआई की टीम के साथ कमेटी के लोग मौजूद हैं।

संभल जामा मस्जिद की सफेदी करने का काम जिस व्यक्ति को सौंपा गया है, उसका कहना है, ... कुल आठ लोग काम पर हैं... हम एक सप्ताह के भीतर काम पूरा कर देंगे। हमें केवल मस्जिद की सफेदी करने का निर्देश दिया गया है। हमें एएसआई द्वारा यह काम सौंपा गया है... इससे पहले, शनिवार को टीम पेंटर के साथ जामा मस्जिद पहुंची थी लेकिन कुछ देर रुकने के बाद टीम लौट गई। इसके चलते पुताई का काम शुरू नहीं हो सका था। एएसआई की टीम ने पुताई का काम रविवार की सुबह से शुरू कराने

की बात जामा मस्जिद कमेटी से कही थी। 12 मार्च को उच्च न्यायालय ने पुताई और सजावट का आदेश किया था। साथ ही यह भी कहा था कि इस पुताई और सजावट के कार्य की निगरानी एएसआई द्वारा की जाएगी। इसी क्रम में 13 मार्च को एएसआई की टीम जामा मस्जिद पहुंची थी।

बाहरी हिस्से के साथ अंदर के परिसर का भी निरीक्षण किया था। उन स्थानों को टीम ने देखा था जहां पुताई की जानी है। मस्जिद के बाहरी हिस्से पर पुताई के लिए आदेश किया गया है। शनिवार को तीन सदस्यीय टीम तीन पेंटर के साथ जामा मस्जिद में पहुंची थी। कुछ हिस्से में पेंटर ने सफाई की थी। स्थानीय स्तर पर भी पेंटर और श्रमिकों की व्यवस्था की गई है।

उपद्रवियों के पोस्टर जामा मस्जिद की दीवार से हटाए गए जामा मस्जिद की पिछली दीवार पर पोस्टर लगाने की वजह से विवाद खड़ा हो गया था उन पोस्टर को एएसआई की टीम ने शनिवार को हटवा दिया है। यह पोस्टर पुताई किए जाने के लिए हटाए गए हैं। इन हिस्सों की सफाई भी कराई गई है। 74 उपद्रवियों के पोस्टर दीवार पर लगा दिए थे। इन पोस्टर के लगाने का विरोध जामा मस्जिद कमेटी के सदर द्वारा किया गया था।

चार से पांच गुना महंगी हुईं दिल्ली-मुंबई की उड़ानें

19 हजार में बिका लखनऊ से मुंबई का हवाई टिकट

लखनऊ। दिल्ली और मुंबई जाने वाली ट्रेनों में लंबी वेटिंग के चलते यात्री विमानों से सफर कर रहे हैं। रविवार को लखनऊ से मुंबई की फ्लाइट का टिकट 19274 रुपये में बिका। उड़ानें चार से पांच गुनी तक महंगी हो गई हैं।

होली मनाने के बाद यात्रियों की वापसी शनिवार से शुरू हो गई है। ट्रेनों में जहां रविवार को लंबी वेटिंग है। वहीं, विमानों का किराया काफी महंगा है। होली के बाद 16, 17 व 18 मार्च को लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो का किराया 9568 रुपये, 6668 रुपये व 5668 रुपये पहुंच गया है।

एयर इंडिया के विमानों का किराया उपरोक्त तारीखों पर क्रमशः 18018 रुपये, 14343 रुपये व 12233 रुपये पहुंच गया है। आम दिनों में लखनऊ से दिल्ली का टिकट तीन से चार हजार रुपये तक मिल जाता है। लखनऊ से मुंबई जाने वाली इंडिगो का किराया 16, 17 व 18 मार्च को क्रमशः 16490 रुपये, 12119 रुपये व 10907 रुपये पहुंच गया है।

एयर इंडिया का किराया 14727 रुपये, 10001 रुपये, 7194 रुपये पहुंच गया है। अकासा एयरलाइंस का किराया 19274 रुपये, 12851 रुपये, 9361 रुपये पहुंच गया है। आम दिनों में मुंबई का टिकट पांच हजार रुपये तक मिल जाता है। होली पर यह चार गुना तक महंगा हो गया है।

मुंबई की रेगुलर ट्रेनें भी फुल : दिल्ली की ही तरह लखनऊ से मुंबई जाने वाले यात्रियों को भी लंबी वेटिंग से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गोरखपुर एलटीटी एक्सप्रेस की स्लीपर में 15, 16 व 17 मार्च को क्रमशः 42, 77, 74 एवं थर्ड एसी में 22, 61, 41 वेटिंग है। पुष्पक एक्सप्रेस की स्लीपर में 108, 109, 108 व थर्ड एसी में 57, 59, 39 वेटिंग है।

प्रदेश में बदला मौसम, कुछ जिलों में सुबह हुई हल्की बारिश, कई क्षेत्रों में ओले गिरने का जारी हुआ अलर्ट

लखनऊ। यूपी में एक बार फिर से मौसम बदल रहा है। राजधानी लखनऊ सहित आसपास के कई जिलों में सुबह से बादल छाए रहे। कुछ जिलों में हल्की बारिश भी हुई। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम यूपी के कई जिलों में आज हल्की बारिश होने की संभावना है।

प्रदेश के मौसम में परिवर्तन के आसार हैं। राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवा चल सकती है, जबकि तापमान में वृद्धि जारी रहेगी।

मौसम विभाग ने इसका अलर्ट जारी किया है। 15 मार्च की रात व 16 मार्च को पश्चिमी यूपी में ओलावृष्टि और तेज हवा चलने की संभावना जताई जा रही है। वहीं शनिवार को प्रयागराज, लखनऊ, आगरा, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर, झांसी समेत प्रदेश के 33 जिलों का अधिकतम तापमान 30 डिग्री

सेल्सियस से अधिक पहुंचने से गर्मी का असर भी बढ़ा है।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चलेगी। शनिवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान वाराणसी में 39.9 व प्रयागराज में 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

इन जिलों में ओलावृष्टि की संभावना : सहारनपुर, शामली मुजफ्फरनगर अलीगढ़, मधुरा, हाथरस, एटा आगरा, फिरोजाबाद, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली एवं आसपास के इलाकों में ओलावृष्टि के आसार है। इसी तरह बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर समेत कई इलाकों में भी हल्की बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवा चलने के आसार हैं।

भाजपा ने 72 जिलाध्यक्षों की सूची की जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने करीब दो महीने की मशक्कत के बाद रविवार को 72 जिलाध्यक्षों की सूची जारी कर दी। इसमें पार्टी ने जातीय समीकरण के साथ विपक्ष के पीडीए फामूर्ले के मात देने की कोशिश की गई है। इतना ही नहीं महिलाओं की भागीदारी का भी ख्याल रखा। भाजपा संगठन के चुनाव की प्रक्रिया पिछले साल में शुरू हुई थी। उस समय मंडल अध्यक्षों का चुनाव दिसंबर और जिलाध्यक्षों का चुनाव जनवरी के अंत तक कराने की समय सीमा तय की गई थी। लेकिन, मंडल अध्यक्षों का चुनाव ही जनवरी में संपन्न हो पाया। तमाम जिलों की सूची में शामिल नाम पर सवाल भी उठने लगे थे। साथ ही सूची पिछड़े, दलित और महिलाओं की भागीदारी की कमी रह गई थी। इस पर शीर्ष नेतृत्व ने आपत्ति जताई थी। ऐसे में प्रदेश स्तर पर संगठन मंत्री ने एक-एक सूची की गहनता से परीक्षण कर सभी विसंगितियों को दूर करके सूची तैयार कराई है।

होली का हुड़दंग : 410 मरीज पहुंचे अस्पताल

160 हुए भर्ती, कुत्ते भी हुए बदहवाश; 38 लोगों को नोंचा

लखनऊ। होली के हुड़दंग ने 410 लोगों को अस्पताल पहुंचा दिया। यहां 160 से अधिक मरीजों को भर्ती किया गया। आंखों में रंग जाने व सांस के मरीज गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचे। सबसे अधिक मरीज केजीएमयू में पहुंचे। ये आंकड़े पिछले साल के मुकाबले थोड़ा कम है। बीते साल होली में करीब 480 लोग अस्पताल पहुंचे थे।

केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में 135 घायल पहुंचे। इनमें 86 को इलाज के बाद घर भेज दिया गया। गंभीर रूप से घायल 49 लोगों को भर्ती किया गया है। पांच घायलों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। ट्रॉमा प्रभारी डॉ. प्रेमराज का कहना है कि रंग खेलने के दौरान बरती गई लापरवाही से 35 लोगों की आंखों में गंभीर चोटें आई हैं। सभी को नेत्र रोग विभाग में इलाज दिया गया।

इनमें गुलाल व रंग लगाने से 25 लोगों की आंखों में जख्म हुए हैं। 10 लोगों आंखों में मारपीट के दौरान चोटे आईं। वहीं लोहिया संस्थान में लोहिया संस्थान में 30 से ज्यादा घायलों को भर्ती किया गया।

सिविल में 30 मरीज हुए भर्ती, दो मृत आए थे : सिविल अस्पताल में होली के दिन हादसों में 100 से अधिक घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि 30 मरीजों को भर्ती किया गया। 20 मरीजों को आंखों में चोट व रंग लगा। जबकि 70 मरीजों को प्राथमिक इलाज मुहैया कराने के बाद घर भेज दिया गया। तीन लोग आग से झुलस गए थे। दो जख्मी मृत अवस्था में अस्पताल लाए गए थे।

बलरामपुर में 70 से अधिक घायल पहुंचे : बलरामपुर अस्पताल की इमरजेंसी में 70 से अधिक घायल पहुंचे। जिन्हें टांके या ऑपरेशन करने की जरूरत पड़ी। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी ने बताया कि 31 मरीजों को भर्ती किया गया। हादसे में सात लोगों के हाथ पैर में फ्रैक्चर हो गए थे। बताया किभी भी जख्मी की मौत नहीं हुई है।

होली में कुत्ते भी खूब बौराएं, 38 लोगों को नोंचा : होली के हुडदंग में आवारा कुत्ते भी खूब बौरा गए। कुत्तों ने लोगों को खूब नोंचा। होली के दिन आस पास इलाके से 38 लोगों को कुत्तों ने नोंच डाला।

जो इंजेक्शन लगवाने बलरामपुर अस्पताल पहुंचे। डॉक्टर ने जांच पड़ताल के बाद मरीजों को रैबीज व टिटेनस के इंजेक्शन लगाए।

पांच साल में राम मंदिर ने दिया 400 करोड़ का टैक्स

महाकुंभ के दौरान डेढ़ करोड़ ने किए रामलला के दर्शन

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण से अयोध्या का अर्थतंत्र बदल गया है। रामनगरी में पिछले पांच साल में दस गुना पर्यटक व श्रद्धालु बढ़े हैं तो रोजगार के भी नए-नए अवसर बढ़े है। अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनता जा रहा है। इसके चलते न सिर्फ अयोध्या की आर्थिक स्थिति बदली है बल्कि सरकार को भी फायदा मिला है। पिछले पांच साल में राम मंदिर से सरकार को 400 करोड़ का टैक्स मिला है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद एक साल में पांच करोड़ श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन किए हैं।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने एक कार्यक्रम में बताया कि पांच फरवरी 2020 से पांच फरवरी 2025 के बीच राम मंदिर ट्रस्ट ने ही अकेले करीब 400 करोड़ का टैक्स सरकार को दिया है। इसमें 270 करोड़ जीएसटी के है, शेष 130 करोड़ का टैक्स अन्य कई मदों में सरकार को मिला है। चंपत राय ने बताया कि पिछले एक साल में 16 करोड़ से अधिक श्रद्धालु व पर्यटक अयोध्या पहुंच चुके हैं। इनमें से पांच करोड़ श्रद्धालुओं ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई है।

चंपत राय के अनुसार ट्रस्ट का अकाउंट्स देखने के लिए कई बार सीएजी के अधिकारी आते हैं। करीब छह माह पहले जब सीएजी के अधिकारी आए थे तो उनसे हमने अयोध्या का आर्थिक विश्लेषण करने को कहा था। पांच फरवरी 2020 से 28 फरवरी 2025 तक 396.26 करोड़ रुपये का टैक्स सरकार को दिया है। ये राउंड फिगर 400 करोड़ रुपये है।

महाकुंभ में डेढ़ करोड़ लोगों ने किए रामलला के दर्शन : चंपत राय के अनुसार महाकुंभ 2025 के दौरान 15 जनवरी से 28 फरवरी तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो हर दिन चार से साढ़े चार लाख लोग दर्शन के लिए अयोध्या पहुंचे। इस अवधि में करीब डेढ़ करोड़ लोगों ने रामलला के दर्शन किए।

10 ट्रेन प्रतिदिन कुंभ से अयोध्या आ रही थीं। रेलवे की ओर से मिली जानकारी के अनुसार हर दिन चार चार हजार लोग एक ट्रेन से अयोध्या पहुंचते रहे। इस तरह 40 से 50 हजार लोग रोजाना ट्रेन से अयोध्या पहुंचते थे।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए शुरू होगा व्यापक अभियान : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और पर्यावरण सुधार के लिए एक व्यापक अभियान की शुरूआत की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अभियान की घोषणा करते हुए कहा कि राजधानी की वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। दरअसल दिल्ली को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए विभिन्न विभागों को त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

रेखा गुप्ता ने बताया कि इस योजना के तहत दिल्ली की पूरी रिंग रोड को डस्ट फ्री बनाने का लक्ष्य है। इसके लिए रोड स्वीपिंग मशीनों का नियमित उपयोग किया जाएगा और सड़क किनारे धूल को नियंत्रित करने के लिए वॉटर स्प्रिंकलर्स लगाए जाएंगे।

इसके अलावा निर्माण स्थलों पर डस्ट कंट्रोल मैनेजमेंट को सख्ती से लागू किया जाएगा। साथ ही, पीयूसी (पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल) चेकिंग की सघनता बढ़ाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए सरकार ने एमसीडी, पीडब्लूडी, डीडीए और अन्य संबंधित रोड ओनिंग एजेंसियों को सड़क किनारे हरित पट्टियों को विकसित करने और पौधारोपण के निर्देश दिए हैं।

यह कदम न केवल प्रदूषण को कम करेगा, बल्कि राजधानी को हरियाली से भी सजाएगा। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में ट्रैफिक जाम की समस्या को हल करने के लिए 250 प्रमुख सड़कें चिन्हित की गई हैं, जहां ट्रैफिक पुलिस और संबंधित विभागों को ट्रैफिक जाम के कारणों का समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा प्रमुख जंक्शनों पर ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को बेहतर किया जाएगा।

एक्शन मोड में दिल्ली सरकार

बरसात में भरा पानी तो विधायकों को देना होगा जवाब : सीएम

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने आज बारापुला ब्रिज पर यमुना नदी की ओर जाने वाले बारापुला नाले का निरीक्षण किया। वहीं दूसरी तरफ सुनहरी पुल नाले पर जल निकासी की स्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के बाद सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि ये वे नाले हैं, जिन्हें पिछली सरकारों ने कभी गंभीरता से नहीं लिया। नालों की कभी सफाई नहीं हुई। एजेंसियों के बीच इस बात को लेकर कोई स्पष्टता नहीं थी कि कौन सी एजेंसी इन्हें साफ करेगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हमने सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग को गाद निकालने की जिम्मेदारी दी है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि बारिश के मौसम में जलभराव न हो। काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। हम विधायकों से नालों, सीवेज की सफाई के बारे में किए जा रहे कामों के बारे में लिखित में पूछेंगे। वहीं उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली नवगठित सरकार ने यह सुनिश्चित करने का वादा किया था कि बरसात के मौसम में जलभराव न हो और हमने प्रमुख नालों बारापुला, सुनहरी का निरीक्षण किया।

भजनपुरा में बाप-बेटे के बीच बंदूक की छीना-झपटी में चली गोली, बेटे ने दम तोड़ा

नई दिल्ली। भजनपुरा में बृहस्पतिवार रात नशे में घर पहुंचा सचिन कुमार (21) परिजनों से झगड़ा करने लगा। इस बीच सचिन ने पिता की लाइसेंसी दोनाली बंदूक लेकर खुद को गोली मारने की बात कही।

इससे पिता बुरी तरह डर गए और बंदूक छीनने का प्रयास करने लगे, लेकिन इसी दौरान सचिन के सीने में गोली लग गई। इससे सचिन की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने पिता को हिरासत में लिया और पूछताछ के बाद छोड़ दिया। पुलिस ने लाइसेंसी बंदूक कब्जे में ली है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि सचिन परिवार के साथ गामड़ी, एक्सटेंशन में रहता था। परिवार में पिता मनोज कुमार व अन्य सदस्य हैं। मनोज पहले होमगार्ड की नौकरी करते थे। फिलहाल, शास्त्री पार्क के एक पेट्रोल पंप पर सिक्योरिटी गार्ड हैं। सचिन को शराब पीने की लत थी।

बृहस्पतिवार रात करीब सात बजे

वह शराब के नशे में घर पहुंचा और परिजनों से झगड़ा करने लगा। कहासुनी के दौरान उसने पिता की लाइसेंसी बंदूक उठाई और खुद को गोली मारने की धमकी देने लगा। इस दौरान पिता ने बंदूक को बेटे से छीनने का प्रयास किया। इस बीच सचिन के सीने में गोली लग गई।

परिजन उसे लेकर जीटीबी अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। क्राइम टीम और एफएसएल ने साक्ष्य जुटाए हैं। फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। फिलहाल, मामला दुर्घटना का लग रहा है।

बागपत में ट्रिपल मर्डर : शराब पीते रहे और मर्डर करते रहे कातिल

हेड कांस्टेबल प्रिया के मां-बाप पर रॉड से हमला

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के छपरौली के रठौड़ा गांव में होली के दिन तीन हत्याओं में शामिल आरोपी शराब पीते रहे और हत्याएं करते रहे। पहले अमित उपाध्याय की हत्या की गई और फिर हेड कांस्टेबल की मां बिमलेश पर हमला किया गया।

दोनों घटनाओं में शामिल आरोपी नलकूप पर मिल गए और फिर मनीष उर्फ मोनू की हत्या की गई। हालांकि अमित की हत्या के बाद गांव में पुलिसबल तैनात कर दिया गया था, लेकिन इसके बाद भी घटनाएं नहीं रूकीं।

रठौड़ा में परिक्रमा के दौरान अमित उपाध्याय और सागर के बीच जब विवाद हुआ तो बताया जा रहा है कि उस समय सागर शराब के नशे में था। उसने अपने दो भाई वंश और अक्षय को बुलाकर ही विवाद में अमित उपाध्याय की हत्या कर दी।

इसके दो घंटे बाद रठौड़ा में ही दूसरा झगड़ा हुआ। यूपी पुलिस की हेड कांस्टेबल प्रिया के घर के बाहर मनीष उर्फ मोनू उर्फ कटड़ा दोस्तों नितिन व परविंद्र के साथ खड़ा होकर गाली-गलौज व हंगामा कर रहा था तो वह भी पूरी तरह से नशे में था।

वहां आए हेड कांस्टेबल प्रिया के पिता रामफल ने हंगामा करने से मना किया तो वह चला गया। थोड़ी देर बाद ही मनीष ज्यादा नशे की हालत में अपने साथ नितिन और परविंद्र को लेकर पहुंचा और रामफल के साथ उसकी

गांव में पुलिसबल तैनात रहा, फिर भी हो गई हत्या

पत्नी बिमलेश पर लोहे की रॉड से हमला किया। बिमलेश की मौत हो गई, जबकि रामफल की हालत गंभीर बनी हुई है।

अमित उपाध्याय की हत्या के बाद सागर, वंश और अक्षय बाइक पर बैठकर दो किलोमीटर दूर जंगल में अपने नलकूप पर पहुंचे, जो दिनभर अपने नलकूप पर ही छिपकर शराब पीते रहे। जबकि वंश गांव में चला गया था। घटना के बाद कई लोग नलकूप पर उनसे मिलने भी गए।

हत्या करने के बाद नलकूप पर जाकर छिपे

रठौड़ा में हुई हत्या की तीन घटनाओं में छपरौली पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहा है। बताया कि अमित उपाध्याय की हत्या के बाद गांव में पुलिसबल तैनात कर दिया गया, लेकिन पुलिस घटनाएं नहीं रोक सकी।

भारी पुलिसबल तैनात होने के बाद रामफल के घर में घुसकर हमला कर दिया गया। इसके बाद रात में जंगल में मनीष उर्फ मोनू की हत्या कर दी गई।

तीन घरों की दुल्हैंडी पर लगा ग्रहण : रठौड़ा में होली के दिन हुई हत्या की तीन घटनाओं ने उनके घरों पर होली पर्व पर विराम लगा दिया, इससे ग्रामीण भी सकते में है। ग्रामीणों ने बताया कि होली पर्व के दिन हुई हत्याओं के बाद उनके परिवार वाले शायद ही कभी होली पर्व मनाएंगे।

कई साल जेल में बंद रहा मनीष : मलकपुर गांव में हुई हत्या के मुकदमे में मनीष उर्फ मोनू को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बताया कि हत्या के मुकदमे में मनीष आठ-नौ साल जेल में बंद रहा, जो एक साल पहले ही बाहर आया था।

होली के दिन शराब पीने के बाद ही तीनों हत्या की घटनाएं हुई है। क्योंकि सभी घटनाओं में आरोपी शराब के नशे में बताए गए है। गिरफ्तार किए गए हत्यारोपियों ने पूछताछ में शराब पीने की बात कही है।- विजय कुमार तोमर, सीओ बड़ौत

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। सोमवार 17 मार्च -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

समर्पित कार्यकर्ता को मिला मेहनत और कर्मठता का ईनाम

महानगर अध्यक्ष पद के लिए घोषित हुआ मयंक गोयल का नाम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आखिरकार भाजपा महानगर अध्यक्ष पद की घोषणा हो गई और जब महानगर अध्यक्ष पद के लिए नाम फाईनल हुआ तो यही संदेश आया कि कर्मठता और सक्रियता का ईनाम मिला है और मयंक गोयल को सही मायनों में उनकी सियासी विरासत नहीं बल्कि सियासी कर्मठता का पुरस्कार मिला है। मयंक गोयल जिस परिवार से आते हैं इस परिवार की भाजपा में अपनी एक विशेष पहचान है। ये परिवार संघ परिवार माना जाता है और कहा तो यहां तक जाता है कि भाजपा में कोई भी सियासी हलचल होती है तो उसकी आहट यहां तक जरूर आती है। कई बड़े फैसलों में इस परिवार की भी दखल रहती है। ये परिवार भाजपा के प्रति अपने समर्पण के लिए जाना जाता है। एक पहचान इस परिवार की है। शहर की प्रथम महिला मेयर रहीं दमयंती गोयल के निधन के बाद से कई बार यहां इस विरासत की बात होती है। लेकिन विरासत से पहले यहां मयंक गोयल की कर्मठता की विरासत की बात होगी। वो हर चुनाव में हर आंदोलन में एक्टिव रहे हैं ये उनकी अपनी विरासत है और सबसे बड़ी बात ये है कि कई बार मयंक गोयल टिकट मिलते मिलते रह गया तो कई बार पद मिलते मिलते रह गया। लेकिन इन सबके बावजूद भी मयंक गोयल ने कभी एक शब्द भी जुबान से नहीं निकाला। पूरी तरह से समर्पित कार्यकर्ता भाव में डूब कर चुनाव लड़वाया। ये उन्होंने अपने व्यक्तित्व की, अपनी कर्मठता की पूंजी कमाई है। उन्होंने कई बार विधानसभा टिकट की दावेदारी की लेकिन हर बार उनका नाम लिस्ट से बाहर हो गया। कई बार वो अध्यक्ष पद की दावेदारी में आये लेकिन उनका नंबर नहीं आया। मगर सक्रिय और मेहनतकश कार्यकर्ता के रूप में मयंक गोयल लगे रहे और वो दिन भी आया जब राहें उनके स्वागत में खुल गईं। मयंक गोयल को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करने का मौका मिला। वो महानगर की टीम में भी रहे लेकिन कप्तान वाली पारी वो अब पहली बार खेलेंगे।

गैर विवादित चेहरा हैं और जानते हैं संगठन चलाने की बारीकियां

करंट क्राइम। मयंक गोयल के अध्यक्ष बनने के बाद से ही कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल व्याप्त है। दरअसल मयंक गोयल मूल रूप से कार्यकर्ता हैं और संघ के संस्कारों की घुट्टी उन्हें बचपन से ही मिली है। सभी के साथ सहज रहते हैं और सामजस्य बनाकर चलते हैं। एक गैरविवादित चेहरा हैं और सेवा भाव के साथ काम करते हैं। कोरोना काल में उनके यहां से भी मदद की एक मुहिम चली थी। जब उन्होंने आक्सीजन से लेकर राशन तक उपलब्ध कराया था। जाने कितने लोगों की उन्होंने बंद मुट्ठी से मदद की थी। ये सेवा भाव उनके पूरे परिवार में मौजूद है। लिहाजा मयंक गोयल सबको साथ लेकर चलेंगे, ये खुली सी बात है और बड़ी बात ये है कि मयंक गोयल संगठन की बारीकियां भी जानते हैं। संगठ में अलग अलग पदों पर रहे हैं। इसलिए उन्हें संगठन से जुडी की चीजों का पता है और जो लोग उन्हें जानते हैं वो ये भी जानते हैं कि मयंक गोयल अपनी बात को हमेशा सहज और सरल तरीके से कहते हैं। लेकिन बात अगर अना पर आ गई तो फिर वो अड़ना भी जानते हैं। कार्यकर्ता की लड़ाई लड़ते हैं, कार्यकर्ता के साथ खड़े होते है और कविनगर थाने में जब संघ कार्यकर्ता के सम्मान की बात थी तो ये मयंक गोयल थे जिन्होंने कार्यकर्ता के सम्मान में खुद पर मुकदमा दर्ज होना भी स्वीकार कर लिया था। लिहाजा ऐसे में ये माना जा सकता है कि कार्यकर्ताओं का अध्यक्ष ही महानगर अध्यक्ष बना है। एक बड़े कंप्टीशन के बीच उन्होंने अपनी जगह बनाई है। अगर वैश्य समाज की बात करें तो गोपाल अग्रवाल, पवन गोयल, यहां दावेदार थे तो मानसिंह गोस्वामी, प्रेम त्यागी जैसे नाम भी मौजूद थे और इन सब नामों के मंथन से मयंक गोयल का नाम आया। ये एक बड़ी उपलब्धि है। अब मयंक गोयल पर सबकी निगाहें रहेंगी कि वो इस नई पारी को कैसे खेलेंगे। कहा जाता है कि कोर में किसी ने उनके नाम पर लंबी लाईन खींची थी लेकिन अब मयंक गोयल ने अध्यक्ष बनने के बाद इस लाईन को बड़ा किया है और अब वो अध्यक्ष वाली पारी में कितना सफल होते हैं, कितना लोकप्रिय होते हैं ये देखा जायेगा।

संजीव शर्मा ने अध्यक्ष वाली पारी में खींची है एक लंबी लाईन

मयंक के लिए कप्तान के रूप में होगी कई बड़ी चुनौतियां सामने

गाजियाबाद करंट क्राइम। मयंक गोयल को अध्यक्ष पद की कमान मिली है और फिलहाल उनके सामने कोई चुनाव नहीं है। लेकिन अगर अध्यक्ष कार्यकाल की तुलना करें तो महानगर अध्यक्ष के रूप में संजीव शर्मा ने डबल पारी खेलते हुए एक बड़ी लाईन खींची है। संजीव शर्मा ने अपने कार्यकाल में प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री के कई सफल कार्यक्रम आयोजित कराये। कई बैठकों का आयोजन हुआ और लोकसभा से लेकर विधानसभा के चुनाव भी देखे। संजीव शर्मा ने कप्तान वाली पारी खेलते हुए जहां टीआरपी की ट्राफी अपने नाम की, वहीं उन्होंने एक रिकार्ड ये भी बनाया कि उनके कार्यकाल में कोई विवाद नहीं हुआ। वो एक ऐसे अध्यक्ष रहे जो जनमुद्दो पर भी सामने आये और कार्यकर्ता की लड़ाई लड़ने के लिए भी आगे रहे। मयंक गोयल के सामने संजीव शर्मा ने ये एक लंबी लाईन खीची हैं और यहां मयंक गोयल के लिए कई चुनौतियां रहेंगी। उन चुनौतियों में बड़ी चीज तो यही है कि वो संजीव शर्मा की पुरानी टीम से कितने चेहरों को लेंगे। यहां पर ये भी देखना होगा कि सांसद और विधायकों की कितनी सिफारिश उनके यहां मान्य होगी। सांसद, विधायकों के नामों को वो कितनी मान्यता देंगे। लिहाजा यहां समायोजन को लेकर मयंक गोयल को काफी मंथन चिंतन करना होगा। ऐसे में वो किस तरह से इस चुनौती से पार पायेंगे, ये देखने की बात है। हालांकि मयंक गोयल सभी को साथ लेकर चलने वाले नेता है और सम्मान उनके व्यक्तित्व का हिस्सा है। सामने वाले का सम्मान करना जानते हैं और उन्हें ये भी पता है कि किसको कहां स्थान देना है। ऐसे में ये देखना रोचक रहेगा कि सांसद अतुल गर्ग, मेयर सुनीता दयाल और कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा की पैरोकारी को वो कितनी तवज्जों देंगे।

लखनऊ-दिल्ली को रहती है गाजियाबाद से उम्मीद : अतुल गर्ग

करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग मंच पर मौजूद थे, वह सिद्धार्थ नाथ के बारे में बोल रहे थे कि वह उम्र में अतुल गर्ग से छोटे हैं। पर राजनीतिक अनुभव और उनका ज्ञान अधिक है। इसके बाद मंच से सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि दिल्ली और लखनऊ की गाजियाबाद से बहुत उम्मीद रहती है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों दिल्ली के चुनाव में हजारों कार्यकर्ता ऐसे थे जो चुनाव में दिनभर काम व मेहनत करते थे और खाना भी बांधकर या होटल में साथ ही करते थे।

जब सिद्धार्थ नाथ ने अतुल गर्ग को दिल्ली में 26 साल बाद कमल खिलाने के लिए दी बधाई

करंट क्राइम : संगठन के चुनाव में महानगर और जिलाध्यक्ष के पद की घोषणा रविवार को होनी थी। महानगर अध्यक्ष पद की घोषणा करने के लिए भाजपा के सांसद सिद्धार्थ नाथ पहुंचे हुए थे। सिद्धार्थ नाथ ने कहा कि दिल्ली में जिस तरीके से 26 साल बाद कमल खिलाने का जो काम किया गया है, उसमें सांसद अतुल गर्ग का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि अतुल गर्ग राजनीति में भी उनसे बड़े हैं और उम्र में भी उनसे बड़े हैं।

अतुल गर्ग ने दी मयंक गोयल को बधाई और मंच से कही बड़ी बात

करंट क्राइम : महानगर अध्यक्ष पद के लिए मयंक गोयल की घोषणा हुई। उससे पहले माइक पर अतुल गर्ग को आमंत्रित किया गया था। वहीं सांसद अतुल गर्ग जैसे ही माइक पर बोलने पहुंचे तो उनका माइक खामोश हो गया। माइक चालू हुआ तो उन्होंने माइक वाले को धन्यवाद दिया। जिसके बाद उन्होंने कहा कि पाटी को मजबूत बनाने के लिए सभी ने मेहनत की है और यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा। इसके बाद उन्होंने कहा कि अब जो भी अध्यक्ष बनेगा, उसके लिए मैं एक ही बात कहता हूं कि जो तुमको हो पसंद वही बात करेंगे। तुम दिन को अगर रात कहो हम रात कहेंगे। इसके बाद फिर मौके पर मौजूद लोगों ने कार्यक्रम स्थल पर ताली बजानी शुरु कर दी।

पूर्व मेयर आशु वर्मा और अतुल गर्ग आए थे एक ही गाड़ी में साथ

करंट क्राइम : भाजपा महानगर अध्यक्ष पद की घोषणा होनी थी, कार्यक्रम राजनगर एक्सटेंशन स्थित गोल्डन व्यू रिसोर्ट में था। इस दौरान सांसद अतुल गर्ग के साथ उनकी गाड़ी में राजेंद्र मित्तल मेहंदी वाला और पूर्व महापौर आशु वर्मा साथ थे। तीनों ने एंट्री साथ ली और कई विषयों पर इस दौरान वार्ता भी करते रहे।

वो कार्यक्रम में नहीं दिए दिखाई, पर सोशल मीडिया पर दी बधाई

करंट क्राइम : भाजपा के महानगर अध्यक्ष पद की घोषणा राजनगर के गोल्डन व्यू रिसोर्ट में सांसद सिद्धार्थ सिंह कर रहे थे। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा नजर नहीं आए। तो वहीं उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप भी नहीं दिखे। इसके साथ ही शहर विधायक संजीव शर्मा भी मौजूद नहीं थे, लेकिन जैसे ही महानगर अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा मयंक अग्रवाल के रूप में हुई कुछ देर बाद ही सोशल मीडिया पर शहर विधायक संजीव शर्मा ने मयंक गोयल की फोटो के साथ बधाई वाला संदेश डाला। तो फिर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने अपनी फोटो के साथ मयंक गोयल को बधाई देने वाला पोस्ट किया। इसके साथ ही स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने भी नवनियुक्त भाजपा अध्यक्ष मयंक गोयल को सोशल मीडिया के जरिए बधाई दी।

लंबे समय से उठ रहे थे अध्यक्ष पद की घोषणा के कयास

करंट क्राइम : बीते लगभग तीन महीने से अधिक का समय होने के बाद आखिरकार भाजपा महानगर अध्यक्ष की मयंक गोयल के रूप में घोषणा हुई। बीते लगभग तीन महीने से भाजपा महानगर अध्यक्ष पद का नया चेहरा कौन होगा, इसकी सर गर्मियां चल रही थीं। तमाम तरीके के कास्ट और अन्य फैक्टर भी चल रहे थे। अंतिम नाम की चर्चा में कई फेस भी दौड़ में रहे लेकिन अंतिम रेस मयंक गोयल ने जीतकर भाजपा महानगर अध्यक्ष पद की कमान संभाल ली और पूरा मामला उनके पक्ष में नजर आया।

जब हुई मयंक के नाम की घोषणा तो उठी ठाकुर समाज में ये आवाज

क्या धीरे-धीरे हो रहा है बिरादरी का पत्ता साफ

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में भले ही बात सबको साथ लेकर चलने की होती है लेकिन साथ वाले तराजू में जातीय संतुलन भी साधा जाता है और इस तराजू का असर ये है कि टिकट के मामलों में ये संतुलन पड़ोस वाले जिलो पर भी असर डालता है। संगठन पर असर डालता है। गाजियाबाद में जब महानगर अध्यक्ष पद के लिए मयंक गोयल के नाम की घोषणा हुई तो ये आवाज उठी कि क्या भाजपा की राजनीति से ठाकुर समाज का मामला धीरे धीरे साफ हो रहा है। क्योंकि ये आवाज उठ रही है कि भाजपा ने वैश्य समाज को तवज्जो दी है और कहीं ना कहीं ठाकुर समाज इग्नोर हो गया है। गाजियाबाद के इतिहास की बात करें तो यहां भाजपा संगठन से लेकर चुनाव तक जातीय संतुलन साध कर चलती है। यहां लोकसभा में ठाकुर समाज का वर्चस्व रहा है। रमेश चंद तोमर लगातार चार बार सांसद रहे। उसके बाद यहां भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह लोकसभा का चुनाव लड़े। वो चुनाव जीते और सांसद रहे। राजनाथ सिंह जब लखनऊ शिफ्ट हो गये तो गाजियाबाद में लोकसभा पर ठाकुर कार्ड जारी रहा और यहां जनरल वीके सिंह को पार्टी ने चुनाव लड़वाया। लेकिन जनरल वीके सिंह का टिकट रोक कर भाजपा ने जब यहां से वैश्य समाज के अतुल गर्ग को विधायक होते हुए लोकसभा का टिकट दिया तो ये आवाज अंदरखाने ठाकुर समाज में चली कि लोकसभा की भरपाई विधानसभा में होगी और शहर सीट पर जब उपचुनाव होगा तो यहां किसी ठाकुर चेहरे को मौका मिलेगा। यहां माहौल बनाने के लिए ठाकुर समाज ने विजय नगर में तिरंगा यात्रा निकाली। ठाकुरों की पंचायत भी हुई। प्रेस वार्ता भी हुई और इन सबके बीच ठाकुर समाज ने ये आवाज उठाई कि अगर विधानसभा का टिकट नहीं मिल रहा है तो महानगर अध्यक्ष का पद कंसीडर किया जाये। लेकिन जब मयंक गोयल को अध्यक्ष पद की कमान मिली तो ये आवाज ठाकुर समाज में उठी कि धीरे धीरे ही सही लेकिन भाजपा में ठाकुर समाज का पत्ता साफ हो रहा है। जिस समाज के सांसद रहते थे उस समाज से अब किसी को संगठन में भी स्थान नहीं मिल रहा है। हालांकि ठाकुर समाज की एक लॉबी ये मानती है कि उन्हें मयंक के नाम कोई विरोध नहीं है। मयंक पुराने कार्यकर्ता हैं, सक्रिय हैं, कर्मठ है अच्छी बात है लेकिन उनका सवाल ये है कि इस सबके बीच में ठाकुर कहां हैं। अब ये लॉबी सवाल उठा रही है और वो पूछ रहे हैं कि क्या भाजपा की सियासत से ठाकुर समाज धीरे-धीरे साफ हो रहा है।

वो गिना रहे हैं नाम और पूछ रहे हैं कहां है ठाकुर समाज

करंट क्राइम। ठाकुरों के बीच अब ये चर्चा शुरू हो गई है कि आखिर हमारी भागीदारी कहां है। जनरल वीके सिंह ने लगातार दो पारी खेली और उसके बाद फिर ठाकुर कोटे से कोई विधायक, सांसद, एमएलसी नहीं बना। ठाकुर लॉबी बता रही है कि वैश्य समाज की बात करें तो सांसद वैश्य कोटे से हैं, एमएलसी दिनेश गोयल वैश्य कोटे से हैं, मेयर सुनीता दयाल वैश्य कोटे से हैं और यहां तक की जीडीए बोर्ड मैम्बर में भी पवन गोयल वैश्य कोटे से हैं। लेकिन ठाकुर कोटे से कोई नहीं दिखाई दे रहा है और अब महानगर अध्यक्ष पद पर मयंक गोयल की ताजपोशी के बाद ठाकुर लॉबी नाम गिना रही है और वो पूछ रही है कि हमारी भागीदारी कहां है। हम ना सरकार में है और ना ही संगठन में है। मेयर, एमएलसी, सांसद भाजपा के वैश्य समाज के हैं। कैबिनेट मंत्री से लेकर शहर विधायक ब्राह्मण समाज से है और राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार ओबीसी कोटे से हैं। लोनी के विधायक ओबीसी समाज से हैं तो ठाकुर समाज कहां है।

कौन संभालेगा ठाकुर बिरादरी की यहां पर मजबूत तरीके से कमान

करंट क्राइम। अब ये आवाज ठाकुर समाज में मजबूत तरीके से उठी है कि अब केवल गुलदस्ते देने से काम नहीं चलेगा। ये समाज भगवा सियासत में अपनी भागीदारी को लेकर सजग हो रहा है। वो ठाकुर कोटे की बात कर रहे हैं और यहां जिले में ये चर्चा है कि कौन ऐसा ठाकुर चेहरा होगा जो मजबूत तरीके से कमान संभालेगा। कौन ऐसा ठाकुर चेहरा है जिसके नेतृत्व में बिरादरी एकसाथ आ सकती है। क्योंकि अब बिरादरी केवल धौलाना वाले टिकट पर ही फोकस नहीं कर रही है। वो जिले की संगठन में भी अपना वजूद तलाश रही है और यहां बड़ी बात ये है कि युवा शक्ति ने अंगड़ाई लेनी शुरू कर दी है। बिरादरी की बात करें तो यहां चार बार के सांसद रहे रमेश चंद तोमर का नाम आता है। रमेश चंद तोमर सियासत का एक पूरा युग देख चुके हैं। वो ठाकुर राजनीति में पश्चिमी उत्तर प्रदेश का बड़ा चेहरा हैं। राजनीति के उतार चढाव जानते हैं। लेकिन उनके साथ आने वाले समय में ऐज फैक्टर आडे आयेगा। ऐसे में यहां दूसरे चेहरे की बात करें तो ठाकुर समाज का एक ऐसा चेहरा है जिनकी टीआरपी जबरदस्त हाई है। युवाओं में एक अलग क्रेज उन्हें लेकर रहता है। बिरादरी का सपोर्ट उन्हें मिलेगा और ये चेहरा ऐसा चेहरा है जिसे बिरादरी के साथ साथ अन्य वर्गों का भी समर्थन मिलेगा। ये चेहरा यूथ आईकॉन नीरज सिंह का है। नीरज सिंह राजनीति की पाठशाला में ही पले बढ़े हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि वो हर काम कार्यकर्ता भाव से करते है। उनके पिता भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं मौजूदा समय में केन्द्रीय रक्षा मंत्री है। लेकिन इन सबके बावजूद भी सैंकड़ों ऐसी तस्वीरें है जिसमें नीरज सिंह कार्यकर्ता भाव से कार्य कर रहे है। नीरज सिंह जब भी गाजियाबाद आते हैं तो युवाओ का पूरा टोला उनके साथ होता है। ठाकुर राजनीति की एक बड़ी उम्मीद का नाम नीरज सिंह कहे जा सकते हैं। यहां पर ठाकुर राजनीति की बात करें तो तीसरा चेहरा मृणालिनी सिंह का आता है। मृणालिनी सिंह मिजोरम के राज्यपाल जनरल वीके सिंह की सुपुत्री हैं। उनके पिता दो बार गाजियाबाद से लोकसभा सांसद रहे है। मृणालिनी सिंह लगातार गाजियाबाद के टच में रहती है। वो कार्यकर्ताओं से सम्पर्क करती हैं और ठाकुर समाज से ये चेहरा भी नई उम्मीदों का आगाज हो सकता है। इसी तरह इन तीन बड़े नामों के अलावा ठाकुर समाज के कई अन्य चेहरे भी हैं जिनमें पार्षद भी है जो लगातार अपने समाज की आवाज उठाते हैं। कई अन्य युवा चेहरे हैं जो मेहनती भी हैं लेकिन बड़ी बात यही है कि नेतृत्व ऐसे हाथों में जाना चाहिए जहां पूरी बिरादरी का सपोर्ट मिले। अन्य समाज का भी सपोर्ट मिले।

संपादकीय

सागर से महासागर तक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉरिशस यात्रा में आठ महत्वपूर्ण समझौते हुए और उन्हें सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया। 70% भारतीय मूल की आबादी वाले इस देश में भारतीय और मॉरिशस के सांस्कृतिक और औपनिवेशिक पृष्ठभूमि ने रिश्तों को मजबूत किया। भारत ने मॉरिशस की चागोस स्वतंत्रता की लड़ाई में समर्थन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय मॉरिशस यात्रा ने दोनों देशों के करीबी रिश्तों के अतीत, वर्तमान और भविष्य से जुड़े तमाम पहलुओं को बेहतरीन ढंग से रेखांकित किया है। इस दौरान दोनों देशों के बीच हुए आठ समझौते बेहद अहम हैं। पीएम मोदी को वहां के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा जाना भी खास है। लेकिन ये सब उन रिश्तों के अच्छे फल मात्र हैं, जिनकी जड़ें दोनों देशों की समान सांस्कृतिक और औपनिवेशिक पृष्ठभूमि से ताकत लेते हुए उन्हें वर्तमान और भविष्य की साझा दृष्टि से लैस करती हैं।

सांस्कृतिक विरासत इस साझा सांस्कृतिक विरासत का एक बड़ा आधार है मॉरिशस के समाज के बड़े हिस्से का भारतीय मूल। 13 लाख आबादी वाले इस द्वीपीय देश में करीब 70% लोग भारतीय मूल के हैं। इसी से जुड़ा दूसरा अहम पहलू यह है कि मॉरिशस भी गुलामी के खिलाफ लंबे संघर्ष से गुजर चुका है। 1968 में ब्रिटेन से आजादी हासिल करने के बाद भी देश के एक हिस्से पर संप्रभुता कायम करने की उसकी जद्दोजहद हाल तक चलती रही।

चागोस पर विवाद ब्रिटेन ने मॉरिशस की आजादी के बाद भी उसके एक द्वीपसमूह चागोस पर अपनी संप्रभुता बनाए रखी थी। लंबी कशमकश के बाद पिछले साल उसने चागोस पर मॉरिशस की संप्रभुता को मान्यता देना स्वीकार कर लिया, इस शर्त के साथ कि उसके एक हिस्से, डिएगो गार्सिया द्वीप पर अगले 99 साल तक उसका कब्जा रहेगा। ध्यान रहे, डिएगो गार्सिया में अमेरिका-ब्रिटेन का सैन्य अड्डा है। इस लंबी कशमकश के दौरान भारत मॉरिशस के संघर्ष में उसके साथ बना रहा। न सिर्फ पीएम मोदी ने यात्रा के दौरान इस तथ्य को रेखांकित किया बल्कि मॉरिशस के प्रधानमंत्री रामगुलाम ने भी इसे दोनों देशों की दोस्ती का एक पुख्ता प्रमाण बताया। दस साल का अंतराल पीएम मोदी की यह यात्रा दस वर्षों के अंतराल पर हुई और इसमें द्विपक्षीय रिश्तों की बेहतरी इस रूप में भी व्यक्त हुई कि तब भारत का जो विजन उन्होंने सागर (सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन) के रूप में प्रकट किया था, वह अब महासागर (म्युचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ अक्रॉस रीजंस) का रूप ले चुका है।

सहयोग और सुरक्षा इसका असर स्वाभाविक ही सहयोग और साझेदारी के तमाम रूपों पर नजर आ रहा है। खासकर हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की आक्रामकता के मद्देनजर भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट के साथ ही सुरक्षा पहलुओं पर भी खासा ध्यान दे रहा है।

भारत-चीन के व्यापार में अंतिम तिमाही में हुई वृद्धि

रिपोर्ट में दावा कई विकसित देशों में व्यापार संकुचन

नई दिल्ली। विश्व निकाय की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विकासशील देशों, विशेष रूप से भारत व चीन ने 2024 की अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में औसत से बेहतर व्यापार विस्तार किया। रिपोर्ट में हालांकि, आगामी तिमाहियों में वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी की संभावना की चेतावनी दी है।

इसके मुताबिक, विकासशील देशों, खासकर चीन व भारत में जहां व्यापार विस्तार हुआ, वहीं कई विकसित देशों में व्यापार संकुचन हुआ है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (यूएनसीटीएडी) द्वारा नवीनतम वैश्विक व्यापार अपडेट में कहा गया है कि 2024 में वैश्विक व्यापार लगभग 1,200 अरब डॉलर यानी नौ प्रतिशत के विस्तार के साथ 33,000 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह अपडेट मार्च की शुरूआत तक के आंकड़ों को कवर करता है। इसमें कहा गया है कि चीन और भारत ने 2024 की चौथी तिमाही में मजबूत व्यापार गति देखी, जबकि अमेरिका एक प्रमुख चालक बना रहा।

2024 की चौथी तिमाही में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापारिक व्यापार ने मिश्रित रुझान दिखाए। चीन, भारत के व्यापार में, विशेष रूप से निर्यात में वृद्धि जारी रही।

व्यापार में 8% की तिमाही आयात वृद्धि

अमेरिका में, 2024 की चौथी तिमाही में आयात वृद्धि ठीक रही, वहीं निर्यात वृद्धि घट गई। भारत ने 2024 की चौथी तिमाही में माल व्यापार में तिमाही आधार पर 8% और वार्षिक आधार पर 6% आयात वृद्धि दर्ज की। तिमाही निर्यात 7% और सालाना 2% निर्यात वृद्धि रही।

भारत-द.अफ्रीका के लिए सेवा व्यापार मजबूत

2024 की चौथी तिमाही में सेवा व्यापार में वृद्धि जारी रही। यह दर्शाता है कि सेवा व्यापार में सकारात्मक रुझान अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं के लिए स्थिर हो सकता है। भारत व दक्षिण अफ्रीका के लिए सेवा व्यापार में वृद्धि मजबूत रही। वार्षिक आधार पर कई सबसे बड़ी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सेवा व्यापार वृद्धि दहाई अंक के आंकड़े तक पहुंच गई।

विदेशी मुद्रा भंडार दो साल में 15.26 अरब डॉलर बढ़ा

नई दिल्ली। आरबीआई ने बताया, इसके पहले के हफ्ते में भंडार में 1.78 अरब डॉलर की कमी आई थी। रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने में मदद के लिए आरबीआई ने विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया था। इससे भंडार में गिरावट का रुख रहा है। सितंबर 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.885 अरब डॉलर के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। दरअसल, केंद्रीय बैंक ने 28 फरवरी को बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ाने के लिए 10 अरब डॉलर मूल्य का डॉलर खरीदा था। इस वजह से भंडार में इतनी बड़ी तेजी दर्ज की गई है। सात मार्च के हफ्ते में विदेशी मुद्रा संपत्ति में 13.99 अरब डॉलर की तेजी दर्ज की गई। सोने का भंडार 1.05 अरब डॉलर बढ़कर 74 अरब डॉलर के पार हो गया। एनसीएलएटी ने एनसीएलटी के अध्यक्ष को 15 मार्च, 2022 के उसके एक आदेश की जांच करने को कहा है। एनसीएलएटी ने कहा कि वह इस तथ्य की अनदेखी नहीं कर सकता कि जिस तरह से 15 मार्च 2022 का आदेश पारित किया गया है, वह संदिग्ध और भरोसे लायक नहीं है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने कहा कि मामले में तथ्य और प्रस्तुतियां एनसीएलटी के कामकाज पर सवाल उठाती हैं। न्यायिक सदस्य जस्टिस शरद कुमार शर्मा और तकनीकी सदस्य जतींद्रनाथ स्वैन की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि एनसीएलटी के अध्यक्ष से अनुरोध है कि वे इस मुद्दे पर खास तौर पर एनसीएलटी की कार्यवाही में निष्पक्षता लाने के लिए विचार करें और जांच करें, ताकि इन प्रमुख मुद्दों पर आम जनता में विश्वास कायम हो सके। भारत की तरफ से श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता दावरा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल इस बैठक में शामिल होने पहुंचा है। इस दौरान भारतीय प्रतिनिधि मंडल ने आईएलओ प्रवासी श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा और अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए विभिन्न देशों के बीच द्विपक्षीय श्रम प्रवासन और सामाजिक सुरक्षा समझौतों को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

एनसीएलटी की चेन्नई पीठ के आदेश के खिलाफ एनसीएलएटी ने दिया जांच का निर्देश

राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की चेन्नई पीठ के एक आदेश की जांच का निर्देश दिया है। एनसीएलएटी ने कहा कि जिस तरीके से आदेश पारित किया गया, उससे यह संदिग्ध प्रतीत होता है।

भारत ने की आईएलओ से द्विपक्षीय श्रम प्रवासन समझौतों को बढ़ावा देने की अपील

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और भारत ने शनिवार को जीवन निर्वाह लायक मजदूरी, गिग और प्लेटफॉर्म मजदूरों के कल्याण और कई उद्योगों में काम करने की स्थिति में सुधार जैसे अहम मुद्दों पर बात की। मंत्रालय के मुताबिक, दोनों के बीच यह बातचीत 10 से 20 मार्च तक स्विट्जरलैंड के जिनेवा में चल रही आईएलओ की 353वीं गवर्निंग बॉडी की बैठक के दौरान हुई।

ट्रंप ने सरकार को छह महीने के वित्तपोषण वाले विधेयक पर किए हस्ताक्षर शटडाउन का टला खतरा

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सितंबर के अंत तक सरकार को वित्तपोषित करने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, जिससे फिलहाल सरकारी शटडाउन का खतरा टल गया है और कांग्रेस में चल रहा संघर्ष समाप्त हो गया है। इस मुद्दे पर डेमोक्रेट्स के बीच भी मतविभाजन दिख रहा था।। व्हाइट हाउस के प्रधान उप प्रेस सचिव हैरिसन फील्ड्स ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ट्रम्प ने शनिवार को सतत प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए।

इस विधेयक में सरकारी वित्तपोषण को मोटे तौर पर जो बाइडन के राष्ट्रपतित्व काल के दौरान निर्धारित स्तर पर ही रखा गया है। हालांकि इसमें कुछ बदलाव भी किए गए हैं। इसमें पिछले वर्ष की तुलना में गैर-रक्षा व्यय में लगभग 13 बिलियन अमेरिकी डॉलर की कटौती की गई है तथा रक्षा व्यय में लगभग 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि की गई है, जो कि लगभग 1.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के शीर्ष व्यय स्तर को देखते हुए मामूली परिवर्तन है। सीनेट ने शुक्रवार को 54-46 पार्टी लाइन वोट से विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसमें सीनेट डेमोक्रेटिक कॉकस के 10 सदस्यों ने अपनी पार्टी के भीतर विरोध के बावजूद विधेयक को पारित करने

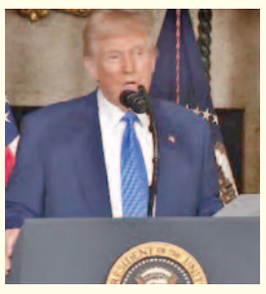

में मदद की। सीनेट डेमोक्रेट्स ने कई दिनों तक इस बात पर बहस की कि क्या शटडाउन बढ़ावा दिया जाए, क्योंकि सदन में रिपब्लिकन ने उनके इनपुट के बिना ही खर्च के उपाय का मसौदा तैयार किया और उसे पारित कर दिया। डेमोक्रेट्स ने कहा कि यह कानून स्वास्थ्य सेवा, आवास और अन्य प्राथमिकताओं को कमतर तरीके से आंकता है और ट्रम्प को संघीय खर्च को पुनर्निर्देशित करने की पूरी छूट देता है, और उनका प्रशासन और सरकारी दक्षता विभाग कांग्रेस की ओर से स्वीकृत एजेंसियों और कार्यक्रमों को तेजी से खत्म कर रहा है।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 15 अरब डॉलर का उछाल

नई दिल्ली। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में जबरदस्त उछाल आया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते सप्ताह 15.267 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 653.966 अरब डॉलर हो गया है। यह बीते तीन साल में एक सप्ताह में हुई सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है।

74 अरब डॉलर का सोने का भंडार

विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट की वजह रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप को माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य रुपये में तेज गिरावट को रोकना है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रुपया अब अमेरिकी डॉलर की तुलना में सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया है। आरबीआई के नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि भारत की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए), जो विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक है, 557.282 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गई हैं। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में सोने का भंडार 74.325 अरब अमेरिकी डॉलर है।

अनुमान के अनुसार, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 10-11 महीने के अनुमानित आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। 2023 में, भारत ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में लगभग 58 अरब डॉलर जोड़े, जबकि 2022 में इसमें 71 अरब डॉलर की गिरावट आई थी। 2024 में, भंडार में 20 अरब डॉलर से थोड़ा ज्यादा की वृद्धि हुई।

तीन साल में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी

बीते चार महीने रहा गिरावट का दौर

विदेशी मुद्रा भंडार में लगभग चार महीने तक गिरावट रही और हाल ही में यह 11 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद इसमें उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जिसमें कुछ सप्ताह बढ़त और कुछ सप्ताह गिरावट देखी गई। इससे पहले बीते साल सितंबर में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार ने अभी तक के सबसे उच्च स्तर 704.89 अरब डॉलर के आंकड़े को छुआ था, लेकिन उसके बाद से इसमें लगातार गिरावट रही और फिलहाल यह अपने उस उच्चतम स्तर से सात प्रतिशत नीचे है।

रोचक तथ्यों का करंट

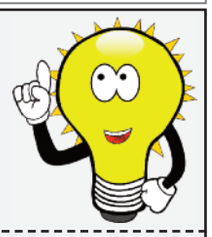

- धरती से किसी उल्कापिंड के टकराने का खतरा 9300 में से एक बार होता है।
- Albert Einestein के अनुसार हम रात को आकाश में लाखों तारे देखते है , लेकिन वह उस जगह नही होते बल्कि कही और होते है। हमें तों उनके द्वारा छोडा गया कई लाख प्रकाश साल पहले का प्रकाश होता है। न्यूक्लीयर रिएक्टरों को ठंडा किया जाए तो सुक्ष्म जिव भी संघर्ष कर सकते है।
- पुरुष में 1000 स्पर्म एक सेकंड में बनते है।
- एक तूफान में 8000 मेगाटन बम के निर्माण जितनी उर्जा होती है।
- किसी एक आकाश गंगा के सारे तारे नमक के दाने जितने हो जाए तो वह Olympic का पूरा Swimming pool भर सकते हैं।
- दुनिया का सबसे छोटा कीड़ा तंजानियन पैरासिटिक वास्प है जो एक मक्खी की आँख से भी छोटा है।
- अंटार्कटिका का सबसे बड़ा ग्लेशियर अल्म्बेर्ट ग्लेशियर है जो 250 मील लंबा और 40 मील चौड़ा है।
- तापमान चाहे कितना भी कम क्यों न हो जाए, गैसोलीन कभी भी नहीं जमता।

राशिफल

मेष: दिन फायदेमंद साबित हो सकता है। व्यापार के क्षेत्र में बड़ी सफलताएं मिलने के योग बन रहे हैं। ज्यादा उत्साह के कारण कोई गलतफहमी हो सकती है।

वृष: दिन भाग्य की बेहतरी वाला साबित होगा। निजी प्रयासों से आपको सफलता मिलेगी। भाग्य चमकेगा और घूमने जाने का मौका मिलेगा। मन खुश रहेगा।

मिथुन: पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। थोड़ी-सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे। आपके आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होगा।

कर्क: व्यापारिक दृष्टिकोण से आपको भारी धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय और आनंददायक रहेगा। प्रेमियों के मध्य कुछ मनमुटाव हो सकता है।

सिंह: आपके लिए आज का दिन थोड़ा कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पीड़ित रहेगा और कामों में विलंब होगा। आपकी मेहनत को रंग लाने में समय लगेगा।

कन्या: दिन खुशियों से भरा रहेगा। ऑफिस में सभी लोगों के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। नए स्रोतों से धन लाभ आपकी आर्थिक स्थिति को संतुलित कर देगा।

तुला: आपके लिए दिन फायदेमंद साबित हो सकता है। वाहन सावधानी से चलाएं। आपको उधार को कम करना चाहिए और सट्टा निवेश से भी बचना चाहिए।

वृश्चिक: दिन अच्छा रहेगा। किसी यात्रा पर जाने में बेहतर रहेगा कोई छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है जो आपको मानसिक तौर पर खुशी भी देगी।

धनु: परिवारवालों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा। इस राशि के कॉमर्स स्टूडेंट्स को अपने शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

मकर: रिश्तेदारों से एक बड़ा उपहार प्राप्त कर सकते हैं। चोट या कोई छोटी-मोटी दुर्घटना होने के भी योग बन रहे हैं। व्यक्तिगत संबंधों को बहुत शांत रखें।

कुंभ: दिन अच्छा रहेगा हालांकि कई मोर्चों पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी जिनमें से एक स्वास्थ्य है और दूसरा आपका धन स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

मीन: आज आप अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कोई नई योजना बनाएंगे। घरेलू समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में आप सफल होंगे।

चुटकुले

पिता बेटे पर गुस्सा करते हुए- एक काम ढंग से नहीं होता तुझसे, तुम्हें पुदीना लाने के लिए कहा था और तुम ये धनिया ले आए, तुझ जैसे बेवकूफ को तो घर से निकाल देना चाहिए।
बेटा- पापा चलो इकट्ठे ही चलते है।
पिता- क्यों?
बेटा- मम्मी कह रही थी कि ये मेथी है।

शौंटी- समोसे को खोलकर अंदर का मसाला ही खा रहा था।
संजू- अरे! तू पूरा समोसा क्यों नहीं खा रहा?
शौंटी- अरे मैं बीमार हूं न... इसलिए डॉक्टर ने बाहर की चीज खाने से मना किया है।

डॉक्टर: अब आप खतरे से बाहर है, फिर भी आप इतना डर क्यों रहे हैं।
मरीज: जिस ट्रक से मेरा एक्सीडेंट हुआ था उस पर लिखा था-जिंदगी रही तो फिर मिलेंगे।

17 03 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

सायना नेहवाल (खिलाडी)

शांति सिंह

नेहा सिंह

प्रह्लाद

विवेक त्यागी

प्रतीक शर्मा

डॉ भवानी शंकर

योगेश गौतम

राहुल राजपूत

राजू रावत

राहुल

राकेश सिंह

आशीष रावत

अरविंद त्यागी

रूद्र

विशाल जैन

मेहराग मलिक

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

मुंबई इंडियंस की जीत के बाद बन गया महा रिकॉर्ड, वीमेंस प्रीमियर लीग में रचा इतिहास

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने वीमेंस प्रीमियर लीग 2025 के फाइनल में दमदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीत लिया है। उसने फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को 8 रनों से हरा दिया। इस मुकाबले के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मुंबई ने इस जीत के साथ ही कई रिकॉर्ड बना दिए। उसने इतिहास रच दिया है। मुंबई ने फाइनल में पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली को 150 रनों का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में दिल्ली की टीम 141 रन ही बना सकी।

दरअसल मुंबई इंडियंस ने फाइनल में जीत के साथ एक खास रिकॉर्ड बना लिया। मुंबई की टीम एक ही मैदान पर सबसे ज्यादा मैच जीतने के मामले में टॉप पर पहुंच गई है। मुंबई इंडियंस ने अभी ब्रेबोर्न स्टेडियम में कुल 7 मैच जीते हैं। मुंबई ने इस मामले में दिल्ली कैपिटल्स को पीछे छोड़ दिया है। दिल्ली ने बैंगलुरु के एम। चिन्नास्वामी स्टेडियम में 6 मैच जीते हैं। उसने यहां 8 मैच खेले हैं। इस दौरान 2 में हार का सामना किया है।

हरमनप्रीत ने जड़ा विस्फोट अर्धशतक

मुंबई ने फाइनल में पहले बैटिंग करते हुए 149 रन बनाए। इस दौरान हरमनप्रीत कौर ने 44 गेंदों का सामना करते हुए 66 रन बनाए। उनकी इस पारी में 9 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। हरमनप्रीत को इसी वजह से प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। नट साइवर ब्रंट ने 4 चौकों की मदद से 30 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम 141 रन ही बना सकी। उसके लिए मारिजान कप ने 40 रनों की पारी खेली। जेमिमा रोड्रिग्ज ने 30 रनों की पारी खेली। निकी प्रसाद ने नाबाद 25 रन बनाए। उन्होंने एक चौका और एक छक्का लगाया।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित, दीपक-अंतिम 30 सदस्यीय टीम में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का निलंबन हटने के बाद दिल्ली के आईजी खेल परिसर में सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल कराए जाने के बाद भारतीय टीम घोषित कर दी गई है। 25 से 30 मार्च तक जॉर्डन के अम्मान में होने वाले इस टूनार्मेंट के लिए 30 सदस्यीय टीम में विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता दीपक पूनिया और अंतिम पंघाल को शामिल किया गया है।

चयन ट्रायल के दौरान पुरुष फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन के साथ-साथ महिला वर्ग में 10-10 पहलवानों का चयन किया गया। 2019 विश्व चैंपियनशिप में रजत और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने वाले पूनिया हालांकि अब 86 किग्रा से 92 किग्रा में आ गए हैं, जबकि विशाल कालीरमन भी 65 किग्रा से 70 किग्रा में खेलने लगे हैं। पंघाल (53 किग्रा) और रीतिका (86 किग्रा) ने उम्मीद के मुताबिक अपने ट्रायल जीते। चयन ट्रायल की देखरेख डब्ल्यूएफआई की चयन समिति ने की जिसमें अध्यक्ष संजय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष जय प्रकाश, कोषाध्यक्ष एसपी देशवाल और ओलंपिक पदक विजेता योगेश्वर दत्त शामिल थे। डब्ल्यूएफआई ने कहा कि उसने देश भर के शीर्ष पहलवानों को ट्रायल में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया ताकि प्रतिस्पर्धी और पारदर्शी चयन प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके।

एशियाई चैंपियनशिप के लिए चुने हुए पहलवान:

पुरुष फ्रीस्टाइल: चिराग (57 किग्रा), उदित (61 किग्रा), सुजीत (65 किग्रा), विशाल कालीरमन (70 किग्रा), जयदीप (74 किग्रा), चंद्रमोहन (79 किग्रा), मुकुल दहिया (86 किग्रा), दीपक पूनिया (92 किग्रा), जॉइंटी कुमार (97 किग्रा) और दिनेश (125 किग्रा)। **पुरुष ग्रीको-रोमन:** नितिन (55 किग्रा), सुमित (60 किग्रा), उमेश (63 किग्रा), नीरज (67 किग्रा), कुलदीप मलिक (72 किग्रा), सागर (77 किग्रा), राहुल (82 किग्रा), सुनील कुमार (87 किग्रा), नितेश (97 किग्रा) और प्रेम (130 किग्रा)। **महिला कुश्ती:** अंकुश (50 किग्रा), अंतिम (53 किग्रा), नीशू (55 किग्रा), नेहा शर्मा (57 किग्रा), मुस्कान (59 किग्रा), मनीषा (62 किग्रा), मोनिका (65 किग्रा), मानसी लाठर (68 किग्रा), ज्योति बेरवाल (72 किग्रा) और रीतिका (76 किग्रा)।

लैंडो नौरिस ने जीती ऑस्ट्रेलियाई ग्रां प्री, सात बार के चैंपियन लुइस हेमिल्टन 10वें स्थान पर

ऑस्ट्रेलिया। मैकलारेन के लैंडो नौरिस ने वर्षाबाधित ऑस्ट्रेलियाई ग्रां प्री जीत ली। फेरारी के साथ डेब्यू करने वाले सात बार के चैंपियन लुइस हेमिल्टन की शुरूआत अच्छी नहीं रही और वह 10वें स्थान पर रहे। वहीं, रेडबुल के मैक्स वेरस्टाप्पेन मामूली अंतर से चूक गए।सत्र की पहली रेस 2010 के बाद पहली बार मेलबर्न में बारिश के बीच आयोजित की गई। वेरस्टाप्पेन पहला स्थान पाने से 0.865 सेकेंड से चूक गए। मसीर्डीज के जॉर्ज रसेल तीसरे स्थान पर रहे। मैकलारेन ने ऑस्ट्रेलिया ग्रां प्री में 12वीं बार जीत दर्ज करके फेरारी का रिकॉर्ड भी तोड़ा। उसके दूसरे ड्राइव आंद्रिया किमि एंटोनेली पांचवें स्थान पर रहे।

13 साल पहले आज ही के दिन सचिन ने पूरे किए थे 100 अंतरराष्ट्रीय शतक, अब तक सलामत है रिकॉर्ड

मुंबई। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 13 साल पहले आज ही के दिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक पूरे किए थे। सचिन को संन्यास लिए अब लंबा समय हो गया है, लेकिन उनका यह रिकॉर्ड अभी भी सलामत है। सचिन दुनिया के पहले ऐसे बल्लेबाज हैं जिनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतने शतक लगाने का रिकॉर्ड है। सचिन ने अपने करियर में टेस्ट में 51 और वनडे में 49 शतक लगाए हैं।

शतकों के मामले में सबसे आगे हैं सचिन

सचिन के अलावा भारत के विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। कोहली अब तक अपने करियर में 82 शतक लगा चुके हैं, लेकिन वह भी सचिन से काफी पीछे हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के नाम 71 अंतरराष्ट्रीय शतक हैं। कोहली भले ही वनडे में शतक लगाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ चुके हैं, लेकिन ओवरऑल अभी सचिन से पीछे हैं।

सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक पूरे करने की उपलब्धि बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप के मैच के दौरान हासिल की थी। 16 मार्च 2012 को मीरपुर में खेले गए इस मैच में सचिन ने 147 गेंदों पर 114 रन बनाए थे जिससे भारत पांच विकेट पर 289 रन बनाने में सफल रहा था। भारत ने हालांकि वो मैच पांच विकेट से गंवाया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सचिन की इस उपलब्धि को याद किया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन

बल्लेबाज	देश	रन
सचिन तेंदुलकर	भारत	34,357
कुमार संगकारा	श्रीलंका	28,016
विराट कोहली	भारत	27,599

नवंबर 2013 में लिया था संन्यास

सचिन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिए लंबा समय हो चला है, लेकिन अभी भी जब कभी उनकी झलक दिख जाती है तो पूरा स्टेडियम 'सचिन... सचिन'... के शोर से गूंज उठता है। सचिन भले ही अब प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में नहीं खेलते हैं, लेकिन उनके ऐसे कई रिकॉर्ड हैं जो अब तक कोई नहीं तोड़ सका है। मास्टर ब्लास्टर के नाम से मशहूर सचिन ने अपने वनडे करियर में 18426 रन बनाए। सचिन ने अपने करियर में कुल 463 वनडे वनडे खेले और उन्होंने करियर का आखिरी वनडे मैच पाकिस्तान के खिलाफ मीरपुर में 18 मार्च 2012 को खेला था। वहीं, सचिन तेंदुलकर ने अपने करियर में कुल छह वनडे विश्व कप में हिस्सा लिया। वह सर्वाधिक बार इस वैश्विक टूनार्मेंट में खेलने वाले खिलाड़ी हैं। सचिन ने 16 नवंबर 2013 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था।

हरमनप्रीत और सविता ने जीता सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड, 1975 विश्व कप विजेता हॉकी टीम भी सम्मानित

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को हॉकी इंडिया सातवें सालाना पुरस्कार में वर्ष 2024 के सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी और दिग्गज गोलकीपर सविता पूनिया को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार मिला। वहीं, 1975 में आज ही के दिन कुआलालम्पुर में भारत को एकमात्र विश्व कप जिताने वाली अजितपाल सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम को ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हरमनप्रीत ने जताई खुशी

पिछले साल पेरिस ओलंपिक में 10 गोल करके भारत को लगातार दूसरा ओलंपिक कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'पुरस्कार काफी मायने रखते हैं और युवाओं को इससे प्रेरणा मिलती है। मैं उन्हें इतना ही कहूंगा कि नतीजे का दबाव लिये बिना कड़ी मेहनत करते रहें।'

सविता को मिला बलजीत सिंह पुरस्कार

वहीं, तीसरी बार पुरस्कार जीतने वाली पूर्व कप्तान सविता ने वीडियो संदेश में कहा, 'इस पुरस्कार से मुझे आगे और मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी। यह मेरे साथी खिलाड़ियों को समर्पित है।' वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का बलजीत सिंह पुरस्कार भी सविता को मिला। सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर का परगट सिंह पुरस्कार अमित रोहिदास ने जीता जबकि सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर का अजितपाल सिंह पुरस्कार हार्दिक सिंह को मिला। सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड का धनराज पिल्लै पुरस्कार अभिषेक को दिया गया। वर्ष 2024 की सर्वश्रेष्ठ अंडर 21 महिला खिलाड़ी का असुंथा लाकड़ा पुरस्कार ड्रैग फ्लिकर दीपिका को मिला जबकि पुरूष वर्ग में जुगराज सिंह पुरस्कार अराइजीत सिंह हुंडल ने जीता।

नहीं मिलेगा गलती सुधारने का मौका, अब शायद ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ना जाउं...विराट कोहली का टूटा दिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मिली हार रह रह कर परेशान करती है। इस धुरंधर ने यह भी साफ कर दिया कि उनको शायद गलती सुधारने का मौका ना मिले। किंग कोहली ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में शानदार शतक के साथ शुरूआत की थी लेकिन इसके बाद के मुकाबलों में रन बनाने को तरसते रहे। भारतीय टीम को सीरीज में हार के साथ ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेलने का मौका गंवाना पड़ा।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के बाद कोहली ने पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट दौरे को याद किया जो निराशाजनक तौर पर खत्म हुआ। पर्थ में पांच मैचों की सीरीज का पहला मैच जीतने के बाद भारत ने बाकी चार में से तीन मैच हार गए। कोहली ने भी पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाया था लेकिन दौरे को 9 पारियों में 190 रन और 23.75 की औसत के साथ समाप्त किया।

36 साल के कोहली को पता है कि उन्हें शायद फिर से ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज खेलने का मौका नहीं मिलेगा। उन्होंने आरसीबी इनोवेशन लैब में कहा, अगर आप मुझसे यह पूछेंगे कि मुझे कितनी ज्यादा निराशा होती है, किसी हार के बाद तो उसमें ऑस्ट्रेलिया का हालिया दौरा सबसे ताजा होगा। यह मुझे हद से ज्यादा निराश करने वाला होगा क्योंकि अब शायद मुझे दोबारा ऑस्ट्रेलिया में जाकर फिर से चार साल के बाद टेस्ट खेलने का मौका ना मिले।

उन्होंने आगे कहा, मैंने जो गलतियां ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर इस बार की है उसको ठीक करने का मौका नहीं मिल पाए। ऐसे में जो कुछ भी आपके साथ जीवन में हो गया उसके बारे में शांति से सोचना होता है और उसी के साथ रहना पड़ेगा। अगर आप देखें तो 2014 के इंग्लैंड दौरे के बाद मेरे पास 2018 में वापस से जाकर गलतियों को सुधारने का मौका था। मैंने किया जो भी कर सकता था। लेकिन इस बार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जो हुआ इसे उस तरह से सुधार नहीं पाउंगा।

एक बार जब बाहर से निराशाजनक चीजों को सोचने लगते हैं तो फिर यही आपको ऊपर बोझ बन जाता है। इसी तरह का कुछ मैंने ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर भी इस बार महसूस किया। ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि दौरे की शुरूआत पहले टेस्ट मैच में अच्छा स्कोर किया था। मैंने सोचा चलो ये तो काफी अच्छा हुआ है अब ये सीरीज मेरे लिए काफी बड़ी होने वाली है लेकिन ऐसा हुआ नहीं। आप ऐसी चीजों के साथ कैसे मिलान करेंगे, इन चीजों को बस स्वीकार करना होता है। मैं झूठ नहीं बोलने वाला, ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर मेरे साथ ऐसा ही कुछ हुआ। मैंने जो हुआ उसे खुशी से मान लिया।

कुलदीप यादव के लिए खुश हैं युजवेंद्र चहल, भारतीय टीम में वापसी पर कही ये बात

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्पिनर युजवेंद्र चहल ने कहा है कि वह कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव के लिए काफी खुश हैं और फिलहाल भारतीय टीम में वापसी के बारे में नहीं सोच रहे हैं क्योंकि यह उनके हाथ में नहीं है। कुछ वर्ष पहले तक चहल और कुलदीप की जोड़ी काफी प्रसिद्ध थी जिसे 'कुल-चा' के नाम से पुकारा जाता था। कुलदीप अभी भी भारतीय टीम के सक्रिय सदस्य हैं, लेकिन चहल ने भारत के लिए आखिरी बार अगस्त 2023 में खेला था।

चहल ने कुलदीप को बताया सर्वश्रेष्ठ कलाई का स्पिनर

आईपीएल 2025 सीजन से पहले चहल ने कहा कि भारतीय टीम में वापसी उनके हाथ में नहीं है। इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि इस वक्त कुलदीप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कलाई के स्पिनर हैं और उनका प्रदर्शन आईपीएल तथा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दिख रहा है। चहल से जब भारतीय टीम में वापसी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, जो मेरे हाथ में नहीं है उसके बारे में मैं नहीं सोचता। अभी कुलदीप दुनिया के नंबर 1 कलाई के स्पिनर हैं। यह आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों में उनकी गेंदबाजी से पता चलता है।

चहल और कुलदीप ने एक साथ 37 वनडे मैच खेले हैं और 130 विकेट लिए हैं। दोनों खिलाड़ी अब आईपीएल 2025 में खेलते नजर आएंगे। कुलदीप दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलेंगे, जबकि चहल इस बार पंजाब किंग्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।

चहल बोले- हम दोनों एक दूसरे पर करते हैं भरोसा

चहल ने इस दौरान कुलदीप के साथ अपने बॉन्ड पर भी चर्चा की और कहा कि वह कुलदीप के साथ गेंदबाजी करना पसंद करते हैं। चहल ने कहा कि उनका और कुलदीप का दृष्टिकोण एक जैसा है क्योंकि वे आक्रामक गेंदबाज हैं। चहल ने यह भी कहा कि मैदान पर वे हमेशा एक दूसरे पर भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा, मुझे कुलदीप के साथ गेंदबाजी करना बहुत पसंद है। हम मैदान पर और मैदान के बाहर एक बेहतरीन बॉन्डिंग का आनंद लेते हैं। यह दिखता है। उनके साथ गेंदबाजी करना मजेदार था क्योंकि गेंदबाजी के प्रति हमारा दृष्टिकोण एक जैसा है। हम दोनों को आक्रमण करना पसंद है। यह साझेदारी वाली गेंदबाजी भी थी। हम हमेशा एक-दूसरे पर भरोसा करते थे।

वीमेन प्रीमियर लीग के इस सीजन से वर्ल्ड कप के लिए कैसे बढ़ गई हैं भारत की उम्मीदें

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग के इन शब्दों से बयां हो गया कि उनकी टीम इस बार भी अपने लिए वीमेन प्रीमियर लीग को खास बनाने से चूक गई। दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार वीमेन प्रीमियर लीग के लगातार तीसरे सीजन में प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन मुंबई इंडियंस पहले सीजन की कहानी को दोहराते हुए दूसरी बार चैंपियन बनी। मुंबई इंडियंस के दूसरी बार चैंपियन बनने के अलावा भी वीमेन प्रीमियर लीग का तीसरा सीजन कई मायनों में खास रहा और इस सीजन का प्रभाव आने वाले दिनों में भारतीय महिला क्रिकेट में भी देखने को मिल सकता है।

इस साल के अंत में भारत में महिला वनडे वर्ल्ड कप का आयोजन होने जा रहा है। वीमेन प्रीमियर लीग के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 10 खिलाड़ियों में भारत की चार बैटर शामिल रहीं और यह वनडे वर्ल्ड कप के लिहाज से भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए काफी अच्छी बात है। शेफाली वर्मा के फॉर्म में वापसी करने के अलावा हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी और बल्ले से भी छाप छोड़ना जारी रखा। वहीं ऋचा घोष और हरलीन देओल के प्रदर्शन में निरंतरता भी भारतीय महिला क्रिकेट के लिए अच्छी खबर है। इसके अलावा काशवी गौतम और प्रिया मिश्रा भारतीय महिला क्रिकेट टीम का उभरता हुआ चेहरा हो सकते हैं।

हरलीन देओल बीते कुछ सालों से भारतीय क्रिकेट टीम का अहम हिस्सा रही हैं। हालांकि उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी देखने को मिलती है। लेकिन इस सीजन में उन्होंने करीब 39 के औसत से 232 रन बनाए और ये भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए बेहद राहत की बात है। वहीं ऋचा घोष ने 8 मैच में 38 के औसत और करीब 175 के स्ट्राइक रेट से 230 रन बनाए। उनका शानदार प्रदर्शन भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए काफी अच्छा संकेत है। हालांकि तेज गेंदबाजी के फ्रंट पर भारतीय महिला टीम को वीमेन प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन से कुछ खास हासिल नहीं हुआ।

शिखा पांडे को 9 मैच में 11 विकेट मिले, जबकि रेणुका ठाकुर ने 7 मैच में 10 विकेट चटकाए। तेज गेंदबाजी के मामले में मजबूती हासिल करने के लिए भारतीय टीम को अभी और खिलाड़ियों की तलाश करनी होगी। इसके अलावा भारत की स्टार बैटर स्मृति मंधाना ने ना सिर्फ कप्तानी से निराश किया बल्कि उनका खुद का बल्ला भी ज्यादा नहीं चला। स्मृति ने 8 मैच में महज 24.62 के औसत से 197 रन ही बनाए।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नंबर एक ऑलरआउंडर दीप्ति शर्मा पिछले साल वीमेन प्रीमियर लीग के सबसे कामयाब ऑलरआउंडर थीं। इसी वजह से इस साल उन्हें यूपी वॉरियर्स का कप्तान भी नियुक्त किया गया। दीप्ति कप्तानी से छाप नहीं छोड़ पाईं और उनकी टीम प्वाइंट्स टेबल में आखिरी पायदान पर रही। कप्तानी का दबाव दीप्ति के प्रदर्शन पर देखने भी को मिला। दीप्ति का नाम इस साल ना ही सबसे ज्यादा रन बनाने वालीं 15 बैटर में शामिल रहा और ना ही सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली 15 गेंदबाजों में।

शनिवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में हरमनप्रीत कौर जब बल्लेबाजी करने उतरीं तो मुंबई इंडियंस ने 6 ओवर में 20 के स्कोर दो विकेट गंवा दिए थे और उनकी टीम बेहद मुश्किल में नजर आ रही थी। लेकिन हरमनप्रीत कौर ने तेजी से रन बनाते हुए टीम के ऊपर आए दबाव को कम करने की कोशिश की। ये हरमनप्रीत कौर की 44 गेंद में खेली गई 66 रन की पारी का ही नतीजा था कि मुंबई की टीम 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 149 रन बनाने में कामयाब रही। हरमनप्रीत कौर ने इस पारी की बदौलत मुंबई इंडियंस को दूसरी बार चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। इस पूरे सीजन के दौरान हरमनप्रीत कौर अच्छे फॉर्म में रहीं और उन्होंने 10 मैच में 33 के औसत और करीब 155 के स्ट्राइक रेट से 302 रन बनाए। मैच के बाद हरमनप्रीत कौर अपनी टीम के प्रदर्शन से बेहद खुश नजर आईं और उन्होंने कहा, ₹ये खिताब बेहद मायने रखता है। ये पहला सीजन था जब हमने सब कुछ सही करने की कोशिश की। एक टीम के तौर पर हमने चीजों को सिंपल रखने की कोशिश की और इसमें हम कामयाब भी रहे।

शेफाली वर्मा का कमबैक

बीते साल नवंबर में शेफाली वर्मा को खराब प्रदर्शन की वजह से भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था। वो 10 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाईं। हालांकि ड्रॉप होने के बाद घरेलू क्रिकेट में जोरदार वापसी की और सीनियर वीमेन वनडे चैलेंजर ट्रॉफी में 97 के औसत से 388 रन बनाए। वो इस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी भी रहीं। शेफाली ने घरेलू क्रिकेट के बेहतर प्रदर्शन को वीमेन प्रीमियर लीग में जारी रखा। उन्होंने 9 मैच में करीब 153 के स्ट्राइक रेट से 304 रन बनाएं। टीम में शेफाली की जगह लेने वाली प्रतिका रावल ने 6 मैच एक शतक और तीन अर्धशतक लगाकर एक अलग छाप छोड़ी है। लेकिन शेफाली का फॉर्म में वापसी करना भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए अच्छा संकेत है।

काशवी गौतम और प्रिया मिश्रा

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकर का चोटिल होना चिंता का सबब बना हुआ है। इसके अलावा ऑलराउंडर अरुंधति रेड्डी भी अच्छे फॉर्म में नहीं हैं। लेकिन इस सीजन से भारत को एक नया विकल्प मिल गया है और उनका नाम है काशवी गौतम। काशवी गौतम ने गेंदबाजी से कमाल तो दिखाया ही है। साथ ही उन्होंने बल्ले से भी छाप छोड़ने की कोशिश की है। काशवी ने 9 मैच में 11 विकेट हासिल किए। सबसे खास बात उनका इकोनॉमी रेट। उन्होंने महज 6.45 के इकोनॉमी रेट से रन खर्च किए। वो इस सीजन में कप्प के बाद दूसरी सबसे किफायती गेंदबाज साबित हुईं। उन्हें पांच पारियों में बल्लेबाजी करने का मौका मिला और उन्होंने एक बार नाबाद रहते हुए 43 रन भी बनाए। 21 साल की काशवी के अलावा 20 साल की प्रिया मिश्रा इस सीजन में अपनी लेग स्पिन से चर्चा में रहीं। उन्होंने 9 मैच में 6 विकेट हासिल किए। लेकिन खास बात ये रही कि उन्होंने अपने ये सभी 6 विकेट अंतरराष्ट्रीय बैटर को पवेलियन वापस भेज हासिल किए। प्रिया मिश्रा की गुगली की भी इस सीजन में काफी चर्चा रही और उन्होंने दिखाया है कि वो आने वाले दिनों में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलने का माद्दा रखती हैं।

सिटी वालों ने जमकर खेली होली

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बीते कई सालों बाद होली का हुडदंग और होली की मस्ती सिर चढ़कर बोली है, ऐसा बताया जा रहा है। वहीं पुलिस की होली इस बार कई सालों की तुलना में ज्यादा जोरदार हुई है। वही पुलिस कमिश्नरेट के सूत्रों ने जानकारी दी है कि इस बार न सिर्फ थानों में टेंट लगे, बल्कि डीजे बजाने और होली खेलने की अनुमति भी रही है। इसके साथ ही पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में लाइन से लेकर आवास तक का माहौल होली के रंग में रंगा हुआ नजर आया। उधर पुलिस वाले सूत्रों ने बताया है कि एक खास होली मिलन कार्यक्रम भी हुआ। जिसमें जिले के सभी गजेटेड अधिकारी मौजूद रहे। खाकी वाली होली के पर्व के बाद पुलिस वाली होली मनाने के लिए जो लोग नए परिधान और रंगीन कुर्ते में गए थे, उनपर जमकर रंग लगे। इसके साथ ही मिट्ठी वाली होली ने भी सबके मजे को दुगना कर दिया था। इसके साथ ही जो पकवान और जायके थे, उनकी रौनक अलग-अलग टेबल पर दिख रही थी। होली का मिलन कार्यक्रम व उसमें परिवार का साथ सभी को खूब भाया है इसकी भी जनाकारी मिली है। सूत्र बता रहे हैं कि जिस तरह का मिलन हुआ उसने भी त्यौहार की रौनक को बढ़ाने का काम किया है। सूत्र बताते हैं कि खुद साहब ने कई लोगों के गुलाल, फूलों की पंखुड़ी और चंदन का इस्तेमाल किया। तो मिट्ठी वाली होली भी अधिकारियों के बीच चर्चा का विषय रही। इसके साथ ही कई एसीपी तो नई परिधान में पहुंचे थे, पर माहौल इतना रंगीन हुआ, तो उनके कपड़ों का रंग ही बदल गए। वहीं सुनने में आ रहा है कि पिंक बूथ और चौकी थानों की होली भी जबरदस्त रही है। सिटी के सभी थानों में होली का उत्साह बेहद जबरदस्त देखने को मिला है। कई पिंक बूथ पर महिला अधिकारी पहुंची तो वहां फूलों की होली से लेकर चंदन गुलाल भी उड़ा है। इसके साथ ही कई थानों में पकवान की महक उड़ी, तो कई जगह होली वाला रंगीन पानी भी चला है। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम से लेकर लखनऊ वाले साहब के आवास तक जमकर होली का आनंद चला है। खास बात यह रही कि पहली बार है जब पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में आधिकारिक रूप से होली मिलन और लाइन वाले कार्यक्रम की फोटो साझा की गई हैं। वहीं पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि हालांकि कुछ फोटो और वीडियो टेंशन बढ़ने वाले भी हैं लेकिन अभी उसपर किसी की अटेंशन नहीं गई है। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम में खाकी वालों की होली भी फुल इंजॉय और मस्ती के साथ संपन्न हुई।

नेहरू वर्ल्ड स्कूल में उत्तर प्रदेश अंडर-23 बास्केटबॉल टीमों की घोषणा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नेहरू वर्ल्ड स्कूल, एचआरआईटी गाजियाबाद में अंडर 23 बास्केटबॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 1 मार्च से 14 मार्च 2025 तक किया गया। यह शिविर आगामी अंडर 23 राष्ट्रीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप, जो 18 से 22 मार्च 2025 तक गुवाहाटी, असम में आयोजित की जाएगी, की तैयारी के लिए आयोजित किया गया था। उत्तर प्रदेश राज्य की बास्केटबॉल टीमों, बालक एवं बालिका वर्ग की आधिकारिक घोषणा 14 मार्च 2025 को की गई। बालकों का प्रशिक्षण शिविर नेहरू वर्ल्ड स्कूल में और बालिकाओं का शिविर सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल, गाज़ियाबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। बालिका टीम के अभ्यास सत्र विशेष रूप से सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल में आयोजित किए गए। टीमों की घोषणा डॉ अरुणाभ सिंह, निदेशक, नेहरू वर्ल्ड स्कूल, अंजुल अग्रवाल उपाध्यक्ष, डीपीएस एचआरआईटी, गाज़ियाबाद द्वारा की गई। डॉ अरुणाभ सिंह ने सुश्री विभा रावत, अध्यक्ष सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल, गाज़ियाबाद सुश्री रत्ना त्यागी, प्रधानाचार्या, सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल, गाज़ियाबाद का हार्दिक आभार व्यक्त किया। जिन्होंने बालिका टीम के अभ्यास हेतु सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल के सुविधाएं प्रदान कीं।

उत्तर प्रदेश अंडर-23 बालिका बास्केटबॉल टीम: अनुराधाए नैन्सी, लिप्रा, साक्षी, अनुष्का, जस्मीन, संजू, त्रिप्ती सिंह, शगुन, विधि, हर्षिता और साक्षी **कोच:** संदीप यादव।

उत्तर प्रदेश अंडर-23 बालक बास्केटबॉल टीम: देवप्रेमी, राजवीर, ऋषभ, दिग्विजय, प्रिंस, अमन चौधरी, प्रशांतए रियांशु नेगी, कुशल सिंह, कैफ, **अर्जुन कोच:** अभिनव सिंह और प्रदुत।

पूर्व मंडल अध्यक्ष विनीत शर्मा के कार्यालय पर किया गया होलिका दहन कार्यक्रम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मुख्य अतिथि दिनेश कुमार गोयल अध्यक्ष राजनगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ,महामंत्री अमरीश त्यागी, महामंत्री श्री रामलीला समिति राजनगर दीपक मित्तल, मंडल अध्यक्ष राजनगर भाजपा नीरज त्यागी, पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी, समाजसेवी के के त्यागी, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजनगर विनीत शर्मा आदि द्वारा पूजा अर्चना के उपरान्त सामूहिक रूप से कार्यक्रम संपन्न कराया, विख्यात ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश शास्त्री द्वारा विधिवत रूप से मंत्रोच्चार किया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सभी ने होलिका मैया की जय जयकार का उद्घोष किया। मुख्य रूप से अभिजीत मुखर्जी, अनुज राघव, श्रीचंद चौहान, जय सिंह, संजीव गुप्ता, एडवोकेट आकाश वशिष्ठ, डॉक्टर अनिल बैसला, नवीन कुमार शर्मा, प्रज्ञा सिंहल, स्वरूप चंद गोयल, आदित्य कौशिक, शिवांशु शर्मा, राजबाला शर्मा, राहुल त्यागी, डॉक्टर संतोष अग्रवाल, थॉमस राम त्यागी, वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव सिंहल, अशोक कौशिक, शिव सेना प्रदेश उपाध्यक्ष महेश आहूजा, ए वी एस ग्रुप के चेयरमैन अजय शर्मा, अनुपम बंसल, गोल्डी सहगल, अनूप सिंह, जगजीत कुमार, दुष्यंत सिंह, अंशु दीक्षित, नीरज दीक्षित, सानू खन्ना, आदेश खन्ना, मनीष शर्मा, मनीष कंबोज, रियाजुद्दीन राजू, राजीव त्यागी, राहुल चौहान, सोनू शर्मा, देवेंद्र विरमानी, गगन अरोड़ा, पूनम गर्ग, ललित कटारिया, संजय मलिक, मनीष मित्तल, कृष्णकांत बंसल, संजीव शर्मा, अजय राघव उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

पार्षद मदन राय ने किया सड़क का उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। रविवार को वार्ड 86 राजेंद्र नगर सेक्टर 5 आकाश प्लाजा से यूरो अपार्टमेंट तक बने वाली सड़क का उद्घाटन पार्षद मदन राय ने किया गया। पार्षद निधि योजना से करीब दस लाख रुपए से बने वाली सड़क है। पार्षद मदन राय ने कहा कि भाजपा सरकार बिना भेदभाव के कार्य नही करती है। यह बात किसी से छिपी नहीं हैं। उन्होनें कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास को लेकर लगातार क्षेत्र में कार्य कर रही है। जिस वार्ड में सड़क की आवश्यकता है। वहां शीघ्र सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। सड़क के दोनों साइड म इंटरलॉकिंग का काम भी होना है।

युवती से छेड़छाड़ को लेकर दो पक्षों में पथराव, करीब 10 लोग घायल

मुरादनगर (करंट क्राइम)। मुरादनगर स्थित बंबा मार्ग पर युवती से छेड़छाड़ करने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। करीब आधे घंटे तक हुए पथराव में दोनों पक्षों के 10 लोग घायल हो गये। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर सात लोगों को हिरासत में लिया है। बंगा मार्ग आदर्शन कॉलोनी में एक युवती अपने घर जा रही थी। आरोप है कि बीच रास्ते में एक युवक ने युवती पर टिप्पणी कर छेड़छाड़ की। यह बात युवती ने अपने घर जाकर परिजनों को बताई। युवती पक्ष के लोगों ने युवक के परिजनों से शिकायत की तो उनमें विवाद हो गया।

कॉलेज में परीक्षा शुल्क जमा करने गई छात्रा का अपहरण 4 लोगो पर केस दर्ज

मुरादनगर (करंट क्राइम)। एक छात्रा परीक्षा शुल्क जमा करने के लिए कॉलेज गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने चार लोगों पर अपहरण का आरोप लगाया है। आरोपियों में निशांत कुमार तोमर, अरुण चौधरी, गगन सैनी और दीपक शर्मा शामिल हैं। परिजनों का कहना है कि कुछ समय पहले निशांत ने छात्रा के साथ छेड़छाड़ की थी। इसकी शिकायत करने पर आरोपी के परिजन रंजिश रखने लगे थे।

परिजनों ने छात्रा की हत्या की आशंका भी जताई है। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। छात्रा की तलाश के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया है। इसी क्षेत्र में एक और अपहरण का मामला सामने आया है। एक कॉलोनी की 20 वर्षीय युवती बाजार गई थी, जो वापस नहीं लौटी। परिजनों ने कॉलोनी में किराएदार फैज पर अपहरण का आरोप लगाया है। पुलिस इस मामले में भी जांच कर रही है।

क्यों कहा कहने वाले ने कि हम तो हैवीवेट वाले जनप्रतिनिधि की उस बात के मुरीद हो गए है साहब? जब चल रहा था अध्यक्ष पद पर मंथन? तब सुने थे हमने उनके अल्फाज? उन्होंने कहा था इस बार कार्यकताओं का मनोबल नहीं खोने दूँगा? कुछ भी हो जाये किसी की जेब का अध्यक्ष नहीं होने दूँगा? जो उन्होंने कहा था अब कुछ ऐसा ही हुआ है श्रीमान? गोयल साहब के अध्यक्ष बनने से कई जेबें हो गई है तमाम?

क्यों कहा कहने वाले ने कि जब चल रहा था मयंक गोयल की ताजपोशी का कार्यक्रम? तब भगवा पहलवान और भगवा मान क्यों देख रहे थे बड़े गौर से दूसरे जिलों की घोषणा का प्रोग्राम? क्यों कहा कहने वाले ने कि दूसरे जिलों की ताजपोशी से क्या लगा रहे होंगे ये दोनों कैलकुलेशन? कहने वाले ने कहा ज्यादा जोर मत डालो, वो कहना चाहते होंगे अन्य सभी नामों को कॉंग्रेचूलेशन? चाहे वो भगवा मान हो या हो भगवा पहलवान, उनके लिए राजनीति में सबसे जरूरी है अपना आत्मसम्मान? वैसे भी अभी उनके लिए खुले हैं प्रदेश और क्षेत्र के दरवाजे? किसको कब पार्टी क्या बना दे, इसे तो राम ही जाने मेरे राजे?

क्यों कहा कहने वाले ने कि क्या किसी ने पूरे मान के साथ कर दिया था रिजल्ट पहले ही आउट? क्या उन्होंने ठीक आधा घंटा पहले ये बता दिया था कि महानगर अध्यक्ष पद पर आ रहे हैं मयंक, नहीं है इसमें कोई डाउट? उन्होंने लगाया था जो अनुमान वो निकला पूरी तरह सटीक? उन्होंने पूरे मान के साथ दी मयंक जी को बधाई? कह दिया अब हम नहीं हो रहे रिपीट ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि जब पॉवर सेंटर ने नहीं दी है दखल तो घोषणा होते ही हैवीवेट खेमे में क्यों हो गई इतनी चहल-पहल? क्या अध्यक्ष के कनैक्शन जुड़ गये हैं हैवीवेट पॉवर सेंटर से? क्यों कहा कहने वाले ने कि जैसे ही हुई मयंक गोयल के नाम की घोषणा? तो क्यों लगने लगे हॉल में मयंक गोयल और सुनील शर्मा की जिंदाबाद के कंम्बाईंड नारे? कहने वाले ने कहा कि हम इस राज को नहीं समझ पा रहे? जब अध्यक्ष घोषित हुआ है तो विधायक की जिंदाबाद होने का संदेश क्या है? कहने वाले ने कहा कि अब इस बात को तो अध्यक्ष ही बेहतर जाने? सुना है इस बार कुछ अलग हुआ है ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि क्यों दिया अध्यक्ष घोषित होते ही बजरंगी भाईजान ने ये बयान? जब हम पार्षदों में इतनी उत्सुकता है तो अध्यक्ष बनने वाले के दिल में रहे होंगे क्या क्या अरमान? बजरंगी भाई ने इतना कहकर ही ब्रेक नहीं लगाई? उन्होंने बात और आगे बढ़ाई, कहा कि अध्यक्ष पद के लिए भी होता है कितना संघर्ष? हम सबको भी करना चाहिए दायित्व पाने से पहले संघर्ष वाली बात पर विचार-विमर्श?

क्यों कहा कहने वाले ने कि जब बैठे थे भगवा गुरूजी घोषणा वाले हॉल में? तब क्यों कहा उन्होंने कि अब नहीं रही है पहले वाली भाजपा? सुना है सांसद तो रहे खामोश लेकिन गुरू जी के सामने विधायक ने किया प्रकट अपने शब्दों का जोश? क्या विधायक जी ने करा दिया गुरू जी को उम्र का एहसास? कहा राजनीति ऐसा नशा है जो ओल्ड ऐज तक भी नहीं उतरता? इतना कहने के बाद विधायक तो हो गये खामोश? जब भगवा गुरूजी जाने लगे तो सांसद ने उन्हें रोका और पूछा कहां जा रहे हो? गुरूजी ने भी हास्य का लिया पूरा मजा और कह दिया चलकर अपनी सीट पर बैठूंगा? आजकल ऐसा ही चल रहा है, कहीं कोई मेरी सीट ना घेर ले? समय कुछ ऐसा है, ना जाने कब कोई नजर फेर ले ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि जब हुई मयंक गोयल की ताजपोशी की घोषणा? तो क्या हो गया ऐसा बाईचांस? निवर्तमान महानगर अध्यक्ष नहीं दिखाई दिये हॉल में? कहने वाले ने कहा एक निवर्तमान महामंत्री भी रहे घोषणा से दूर? हालांकि कहने वाले ने कहा कि हो सकता है वो दोनों रहे हों कार्यक्रम से कहीं दूर? ऐसे ही नहीं कहा जा सकता कि वो नहीं आये? वो खुद ही बता देंगे कि वो कार्यक्रम से थे दूर या किसी बात ने कर दिया था उन्हें मजबूर? बात में पता चला भगवा कमांडर अपनी वाइफ के साथ मार रहे है धार्मिक टूर?

क्यों कहा कहने वाले ने कि भाजपा पार्षद ने होल्ड कर दिया था अपना होर्डिंग वाला प्रोग्राम? उन्होंने नहीं दिये इस बार क्षेत्र में होर्डिंग लगाकर होली की बधाई के पैगाम? पूछने पर उन्होंने इसका राज भी बताया? कहा नए अध्यक्ष की घोषणा के इंतजार में मैंने खुद ही रोक दिया था ये प्रोग्राम? अब हो गई है घोषणा तो पूरे वार्ड में नजर आयेंगे मेरे होर्डिंग और बैनर? मैं एक फोटो के लिए नहीं बिगाड़ना चाहता था समीकरण? इसलिए हमने होर्डिंग वाली योजना को कर दिया था घोषणा होने तक होल्ड? हम पिच पर टिककर खेलते है, नहीं होते है आराम से बोल्ड ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि होली वाले रंग में क्या किसी आरडब्लूए वाले का हो गया था क्षेत्र में ही बड़ा विवाद? सुना है भाजपा के एक नेता के दखल के बाद पुलिस ने समझौता कराकर कर दिया मामले को शांत? इस मामले की आग सुलग रही है अभी वैश्य समाज में? वो चाहते हैं दर्ज हो एफआईआर और कायम हो मुकदमा? रंग लगाने और जबरन नाचने को लेकर बिगड़ गई थी ये बात?

क्यों कहा कहने वाले ने कि राजनीति में मुद्दों का सूखा झेल रहा है बसपा का नीला हाथी? जिन गर्ग जी को बनाया गय था महानगर का अध्यक्ष, उनका भी फीका ही रहा है रंग? जयंती से लेकर होली मिलन तक नहीं दिखाई दिया कहीं भी नीला रंग? कहने वाले ने कहा कि चार सीटों पर विधानसभा जीतने वाले हाथी का इस जिले में ये हाल करता है सभी को दंग? हाथी ने मोहरे भी बदल कर देख लिये लेकिन नहीं पड़ा है उसकी चाल पर कोई असर?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

कायस्थ परिवार ने किया होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। रविवार को कायस्थ परिवार होली मिलन का कार्यक्रम चित्रगुप्त पार्क में धूमधाम से उमंग, उत्साह साथ के मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चित्रगुप्त पूजन, वंदन एवं आरती से हुआ। बच्चों ने गायन, नृत्य और अन्य मनोरंजक प्रस्तुति ने कार्यक्रम को और भी सुन्दर व रोचक प्रस्तुति दिया। इस अवसर पर मंजू लता कुलश्रेष्ठ, जया श्रीवास्तव, सृष्टि सक्सेना, मीनाक्षी श्रीवास्तव, विश्व मोहनी माथुर, दिनेश सक्सेना, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, कुलदीप सक्सेना, सुशील श्रीवास्तव, मनोज सिन्हा, हरीश श्रीवास्तव, नागेंद्र कुदेशिया, मुकेश सिन्हा, एम के सक्सेना, विप्लव सिन्हा, दिनेश माथुर, यू सी सक्सेना, जितेंद्र सिन्हा, गोपाल सक्सेना, शुभ शेखर, मुकेश जौहरी, मनीष सक्सेना, मृणाल श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

UNRWA बोला- फलस्तीनी बच्चों की पीढ़ी बर्बाद होने का खतरा

यूएन। संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (UNRWA) के आयुक्त जनरल ने आगाह किया है कि फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए फंड में कटौती पर चिंता जाहिर की है। आयुक्त जनरल फिलिप लाजारिनी ने चेतावनी दी है कि यूएन की इस एजेंसी के पतन से फलस्तीनी बच्चों की एक पूरी पीढ़ी शिक्षा से वंचित हो जाएगी। लाजारिनी ने कहा कि अगर गंभीर वित्तीय संकट जारी रहता है तो एजेंसी के पतन का खतरा सचमुच वास्तविक है। उन्होंने आगाह किया कि बच्चों की एक पीढ़ी बलि चढ़ जाएगी, वे उचित शिक्षा से वंचित रह जाएंगे। उन्होंने कहा, यूएनआरडब्ल्यूए गाजा पट्टी, वेस्ट बैंक, लेबनान, जॉर्डन और सीरिया में फैले लगभग छह मिलियन फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए 'जीवन रेखा' है। अब तक लगभग 2.60 लाख बच्चे एजेंसी के दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम में दाखिला ले चुके हैं।

सर्बिया के राष्ट्रपति और सरकार के खिलाफ विरोध रैली, एक लाख+ लोग शामिल हुए

सर्बिया। दक्षिण पूर्वी यूरोपीय देश सर्बिया में सरकार के खिलाफ जनाक्रोश बढ़ रहा है। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक और उनकी सरकार के खिलाफ महीनों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के अंतिम चरण में एक विशाल रैली का आयोजन हुआ। शनिवार को हुई इस रैली में कम से कम एक लाख लोग बेलग्रेड में एकत्र हुए। बारिश के बावजूद झंडे लहराते प्रदर्शनकारियों ने राजधानी के मुख्य इलाके को जाम कर दिया। पुलिस ने बताया कि विरोध प्रदर्शन के चरम पर 1.07 लाख लोगों की भीड़ जुटी। सर्बियाई स्वतंत्र मीडिया ने इस रैली को देश में अब तक की सबसे बड़ी रैली बताया। यह रैली राष्ट्रव्यापी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का हिस्सा थी। बता दें कि नवंबर में सर्बिया के उत्तर में एक रेलवे स्टेशन पर कंक्रीट की छत गिरने से 15 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद लोग सरकारी भ्रष्टार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

आयोवा और ओकलाहोमा के खिलाफ लाए गए मुकदमों को खारिज कराएगा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को बाइडन प्रशासन के न्याय विभाग द्वारा आयोवा और ओकलाहोमा के खिलाफ लाए गए मुकदमों को खारिज करने के लिए कदम उठाया। इन मुकदमों में राज्यों के आव्रजन कानूनों को चुनौती दी गई थी। इसके तहत किसी व्यक्ति के लिए राज्य में रहना अपराध है यदि वह अवैध रूप से अमेरिका में है। देश भर के रिपब्लिकन गवर्नर और सांसदों ने तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन पर संघीय आव्रजन कानून को लागू करने और दक्षिणी सीमा का प्रबंधन करने में विफल रहने का आरोप लगाया था। जवाब में आयोवा और ओक्लाहोमा ने ऐसे ही कानून बनाए, जो राज्य और स्थानीय अधिकारियों को उन लोगों को गिरफ्तार करने और उन पर आरोप लगाने की अनुमति देते हैं जिनके पास निर्वासन के आदेश लंबित हैं या जिन्हें पहले अमेरिका से निकाल दिया गया था या प्रवेश से वंचित कर दिया गया था।

दूरसंचार ठगी में शामिल 2,800 नागरिकों को वापस भेजा गया चीन

बीजिंग। म्यांमार-थाईलैंड सीमा पर दूरसंचार घोटाले में गिरोह का हिस्सा रहे 2,800 से अधिक चीनी दूरसंचार धोखाधड़ी संदिग्धों को मुकदमे के लिए चीन वापस भेजा गया। ये स्थानीय और विदेशी लोगों को झूठे वादे कर म्यांमार-थाईलैंड सीमा पर ले जाते थे। चीन के सुरक्षा मंत्रालय ने बताया, यह अभियान 20 फरवरी से चल रहा है। पिछले महीने, एक अदालत ने सीमा पार टेलीकॉम धोखाधड़ी के मामलों में शामिल चार दोषियों को आजीवन कारावास की सजा दी थी। यह कदम ऐसे गिरोह के खिलाफ चीन की सख्त कार्रवाई का हिस्सा है।

वित्तपोषित मीडिया संगठनों के कर्मचारियों को निकालने के आदेश पर ट्रंप के हस्ताक्षर

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को वॉयस ऑफ अमेरिका और अन्य सरकारी वित्तपोषित मीडिया संस्थानों में छंटनी करना शुरू कर दिया। जिसके बाद अमेरिकी मीडिया संस्थान श्डअ के सभी कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया है। ट्रंप ने अपने प्रशासन को कई एजेंसियों के कामों को न्यूनतम करने का निर्देश दिया। जिन संस्थानों में छंटनी की गई है, उनमें यूएस एजेंसी फॉर ग्लोबल मीडिया शामिल है, जिसमें वॉयस ऑफ अमेरिका, रेडियो फ्री यूरोप और एशिया और रेडियो मार्टी शामिल हैं, जो क्यूबा में स्पेनिश भाषा के समाचार प्रसारित करता है। शनिवार की सुबह अमेरिकी सीनेट उम्मीदवार कैरी लेक, जिन्हें ट्रम्प ने अपना वरिष्ठ सलाहकार नामित किया था, ने एक्स पर पोस्ट किया कि कर्मचारियों को अपना ईमेल चेक करना चाहिए।
300 कथित अपराधियों को अल सल्वाडोर निर्वासित करेगा अमेरिका
ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला के ट्रेन डे अरागुआ गिरोह के लगभग 300 कथित सदस्यों को एक वर्ष के लिए कारावास में रखने के लिए अल साल्वाडोर को 60 लाख डॉलर का भुगतान करेगा। अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच अल साल्वाडोर की कुख्यात जेलों में प्रवासियों को रखने के समझौते के बाद यह पहली बार है, जब अमेरिका से अपराधियों को अल सल्वाडोर भेजा जाएगा। वेनेजुएला के ट्रेन डे अरागुआ गिरोह को ट्रंप आतंकी संगठन कह चुके हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि किस तरह से 300 लोगों की इस खूंखार गिरोह के सदस्यों के रूप में पहचान की गई है।

ऑस्ट्रेलिया में बेबी वॉम्बैट को मां से छीनने वाली इंफ्लुएंसर ने माफी मांगी

ऑस्ट्रेलिया। ऑस्ट्रेलिया में घूमने के दौरान एक बेबी वॉम्बैट को उसकी मां से छीनने का वीडियो पोस्ट करने के बाद और इसे लेकर लोगों की नाराजगी झेलने के बाद अमेरिका की सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर सैम जोंस ने माफी मांग ली है। दरअसल जोंस ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया था, जिसमें वह एक वॉम्बैट से उसके बच्चे को दूर ले जाती दिख रही है, जिससे मां वॉम्बैट परेशान हो गई। हालांकि बाद में जोंस ने बच्चे को उसकी मां के पास वापस छोड़ दिया। लेकिन इसे लेकर सोशल मीडिया पर लोगों ने नाराजगी जताई और कहा कि एक बच्चे को उसकी मां से छीनना गलत है। ऑस्ट्रेलिया के पीएम समेत कई शीर्ष नेताओं ने भी इस पर नाराजगी जताई थी और कार्रवाई की बात कही थी। अब मामला बढ़ता देख जोंस ने माफी मांग ली है। जोंस ने कहा कि उसने बच्चे को चुराने या उसे नुकसान पहुंचाने के मकसद से ऐसा नहीं किया था।

पुतिन का सीक्रेट प्लान, जेलेंस्की ने कर दिया लीक, बोले- पूरी ताकत से मुकाबला करेंगे

यूक्रेन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने शनिवार को दावा किया कि यूक्रेनी सैनिक अब भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में रूसी और उत्तर कोरियाई सेनाओं का सामना कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि रूस सुमी क्षेत्र पर हमले की योजना बना रहा है। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में जेलेंस्की ने कहा कि कीव के सैनिक कुर्स्क में घिरे नहीं हैं, लेकिन मॉस्को एक अलग हमले के लिए पास में अपनी सेना इकट्ठा कर रहा है। उन्होंने कहा, 'रूस की सुमी क्षेत्र पर हमला करने की मंशा है। हमें इसकी जानकारी है और हम इसका पूरी ताकत से मुकाबला करेंगे।' हजारों यूक्रेनी सैनिकों ने 2024, अगस्त में रूस के कुर्स्क क्षेत्र के लगभग 1,300 वर्ग किलोमीटर (500 वर्ग मील) क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था। इस दौरान यूक्रेन ने कहा था कि यह कदम भविष्य की वाताओं में मोलभाव करने और रूस को पूर्वी यूक्रेन से पीछे हटने के लिए मजबूर करने का प्रयास था। हालांकि हाल के दिनों में रूसी सेना को इस इलाके में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। रूसी सेना के अनुसार, हालिया तेज बढ़त के कारण अब यूक्रेन के पास कुर्स्क में 200 वर्ग किलोमीटर (77 वर्ग मील) से भी कम क्षेत्र शेष है। मॉस्को ने यह भी दावा किया है कि उसने इस क्षेत्र के महत्वपूर्ण शहर सुदजा पर कब्जा कर लिया है। जेलेंस्की ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि सभी हमारे साझेदार यह समझें कि पुतिन क्या योजना बना रहे हैं, वे किसके लिए तैयारी कर रहे हैं और वे किस बात को नजरअंदाज करेंगे।' रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि वह यूक्रेन के साथ 30 दिन के युद्धविराम के ट्रंप के प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। हालांकि उन्होंने कुछ मुद्दों पर स्पष्टीकरण की मांग की और कुछ शर्तें भी रखीं। शनिवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने लगभग 25 यूरोपीय नेताओं और अन्य सहयोगियों की बैठक में कहा कि युद्धविराम को स्वीकार करने के लिए पुतिन पर दबाव बढ़ाने की जरूरत होगी। जेलेंस्की ने कहा, 'रूसी सेना की तैयारियां यह दशार्ती हैं कि मॉस्को कूटनीति को नजरअंदाज करना जारी रखना चाहता है। यह स्पष्ट है कि रूस युद्ध को लंबा खींच रहा है।' अपने बयान में उन्होंने यह भी कहा कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पूर्वी यूक्रेनी शहर पोक्रोवस्क के पास युद्ध की स्थिति अब स्थिर हो गई है और यूक्रेन ने जंग में अपनी नई घरेलू रूप से निर्मित लंबी दूरी की मिसाइल का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया है। कीव अपने घरेलू रक्षा उद्योग का विस्तार करने की योजना बना रहा है ताकि पश्चिमी सहयोगियों पर निर्भरता कम की जा सके, जिन्होंने उसे महत्वपूर्ण तोपखाने, वायु रक्षा और लंबी दूरी की हमले की क्षमताएं प्रदान की हैं। जेलेंस्की के अनुसार, यूक्रेन की नई 'लॉन्ग नेप्च्यून' मिसाइल की मारक क्षमता 1,000 किलोमीटर (621 मील) है।

ईरान ने हूती विद्रोहियों की मदद से किया इनकार
अमेरिकी हवाई हमले के बाद ट्रंप ने भी दी धमकी

वाशिंगटन। ईरान ने रविवार को फिर से इस बात से इनकार किया कि वह यमन के हूती विद्रोहियों को कोई मदद दे रहा है। यह बयान तब आया जब अमेरिका ने हूतियों के ठिकानों पर हवाई हमले किए और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि ईरान को हूतियों की हरकतों के लिए पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

हमले में 31 लोगों की मौत

यमन के हूती-नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इन हमलों में कम से कम 31 लोगों की मौत हुई, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इसके अलावा 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हूती विद्रोहियों ने कहा कि एक हमला उत्तरी सादा प्रांत में दो घरों पर हुआ, जिसमें चार बच्चों और एक महिला की मौत हो गई।

हूती क्यों कर रहे हैं हमले?

हूती विद्रोही लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर हमले कर रहे हैं और इस्राइल पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर चुके हैं। उनका कहना है कि वे यह सब गाजा में फलस्तीनियों के समर्थन में कर रहे हैं, जहां इस्राइल और हमास के बीच युद्ध चल रहा है। जनवरी में गाजा में युद्धविराम के बाद हूतियों ने हमले रोक दिए थे, लेकिन इस महीने इस्राइल की तरफ से गाजा में मानवीय सहायता रोकने के बाद उन्होंने फिर से हमले शुरू करने की धमकी दी।

ईरान पर आरोप और इनकार

अमेरिका और अन्य देशों का आरोप है कि ईरान हूतियों को हथियार और मिसाइलें भेज रहा है। अमेरिकी नौसेना ने कई बार ईरानी हथियारों की खेप जब्त की है, जो कथित रूप से हूतियों के लिए भेजे गए थे। हालांकि, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख जनरल हुसैन सलामी ने कहा कि ईरान हूतियों के हमलों में कोई भूमिका नहीं निभा रहा। उन्होंने कहा कि ईरान अपने सहयोगी समूहों की सैन्य नीतियों या फैसलों को तय नहीं करता। इस मामले में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अमेरिका को हमले रोकने चाहिए और वह ईरान की विदेश नीति तय नहीं कर सकता।

पहली बार ट्रंप प्रशासन ने किया हूतियों पर हमला

अमेरिका, इस्राइल और ब्रिटेन पहले भी हूतियों के ठिकानों पर हमले कर चुके हैं, लेकिन शनिवार को अमेरिका ने अकेले यह कार्रवाई की। यह दूसरा ट्रंप प्रशासन का हूतियों पर पहला हमला था। वहीं हूतियों की तरफ से जहाजों पर हमले की बात की जाए तो अक्तूबर 2023 से जनवरी 2024 के बीच हूती विद्रोहियों ने 100 से अधिक जहाजों को निशाना बनाया। इन हमलों में दो जहाज डूब चुके हैं। चार नाविकों की मौत हो चुकी है। जबकि मिसाइल और ड्रोन हमले से कई जहाजों को नुकसान पहुंचा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को चेतावनी दी कि अगर हूती विद्रोही लाल सागर में जहाजों पर हमले जारी रखते हैं, तो अमेरिका उनके खिलाफ भारी घातक बल का इस्तेमाल करेगा।

धरती से आए साथियों को देख खुशी से झूम उठीं सुनीता

नासा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के लंबे समय से फंसे अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स के स्थान पर अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को तैनात करने के लिए एक दिन पहले रवाना हुआ स्पेसएक्स का यान रविवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गया।

इसके साथ ही विलियम्स और विल्मोर की वापसी का रास्ता साफ हो गया। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे चार नए अंतरिक्ष यात्री अमेरिका, जापान और रूस का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वे कुछ दिन विलियम्स और विल्मोर से स्टेशन के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

माना जा रहा है कि अगर मौसम सही रहा तो दोनों फंसे अंतरिक्ष यात्रियों को अगले सप्ताह फ्लोरिडा के तट के निकट जलक्षेत्र में उतारा जाएगा। विल्मोर और विलियम्स बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल से पांच जून को केप कैनवेरल से रवाना हुए थे। दोनों एक सप्ताह के लिए ही गए थे लेकिन अंतरिक्ष यान से हीलियम के रिसाव और वेग में कमी के कारण ये लगभग नौ माह से अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए हैं।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से रवाना हुए अंतरिक्ष यात्रियों के नए दल में नासा से ऐनी मैक्लेन और निकोल एयर्स शामिल हैं। वे दोनों सैन्य पायलट हैं। इनके अलावा जापान के ताकुया ओनिशी और रूस के किरिल पेस्कोव भी रवाना हुए हैं और दोनों विमानन कंपनियों के पूर्व पायलट हैं। ये चारों लोग विल्मोर और विलियम्स के धरती के लिए रवाना होने के बाद अगले छह महीने अंतरिक्ष स्टेशन में बिताएंगे, जिसे सामान्य अवधि माना जाता है।

विल्मोर ने रविवार को अंतरिक्ष स्टेशन का हैच खोला और इसके बाद एक के बाद एक चारों नए यात्री अंदर आए। अंतरिक्ष में पहले से मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों ने अपने नए साथियों का स्वागत उनसे गले मिलकर और हाथ मिलाकर किया। विलियम्स ने मिशन कंट्रोल से कहा, यह एक शानदार दिन था। अपने दोस्तों को यहां देखकर बहुत खुशी हुई।

जल्द धरती पर वापस आएंगी सुनीता

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर आने वाले कुछ दिनों तक नए अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां देंगे। संभावना है कि इस सप्ताह के अंत तक वे स्पेसएक्स कैप्सूल के माध्यम से पृथ्वी की ओर लौटेंगे।
नासा के अनुसार, यदि मौसम अनुकूल रहता है, तो स्पेसएक्स कैप्सूल बुधवार से पहले अंतरिक्ष स्टेशन से अलग होकर फ्लोरिडा के तट पर लैंड करेगा।

नाइट क्लब में लगी आग, 51 लोगों की मौत
म्यूजिक कॉन्सर्ट में आतिशबाजी से हुआ हादसा

मैसेडोनिया। उत्तरी मैसेडोनिया के दक्षिणी शहर कोकानी में रविवार सुबह एक नाइट क्लब में आग लग गई। हादसे में 51 लोगों की मौत हो गई। जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि क्लब में एक म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान आतिशबाजी चलने से हादसा हुआ।

मैसेडोनिया के आंतरिक मंत्री पंचे तोशकोवस्की ने बताया रविवार सुबह नाइट क्लब पल्स में एक पॉप समूह के संगीत कार्यक्रम के दौरान आग लगी। क्लब में जाने वाले युवाओं ने आतिशबाजी चलाई। इससे क्लब की छत में आग लग गई।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में क्लब के अंदर अफरा-तफरी का माहौल दिख रहा है।

मंत्री तोशकोवस्की ने कहा कि पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि संगीत कार्यक्रम में एक हजार से अधिक लोग उपस्थित थे। घायलों को कोकानी के स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया।

क्लब से उठी आग की लपटें

आग लगने के बाद क्लब में अफरातफरी का आलम रहा। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में क्लब से आग की लपटें उठती नजर आ रही हैं। बताया जा रहा है कि स्थानीय संगीत समूह की जोड़ी स्टेज पर अपनी परफॉर्मेंस दे रही थी। इस दौरान झूमते हुए कुछ युवाओं ने आतिशबाजी चलाई। इसके चलते छत में आग लगी। वीडियो में स्टेज से भी आग की चिंगारी निकलती नजर आईं। सुरक्षा बल और अग्निशमनकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने के उपाय किए। बताया जा रहा है कि आग इतनी विशाल थी की अग्निशमन कर्मियों ने कई घंटे तक मशक्कत की। मैसेडोनिया के अधिकारी आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

बांग्लादेश व पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार पर यूएन संस्था ने की चर्चा

यूएन। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 58वें सत्र के दौरान जेनेवा में ग्लोबल ह्यूमन राइट्स डिफेंस ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार विषय पर एक चर्चा आयोजित की। यह आयोजन 'ब्रोकन चेयर' स्थल पर किया गया, जहां भारत की सामाजिक कार्यकर्ता रोहिणी घावरी समेत विश्वभर के मानवाधिकार प्रतिनिधियों ने बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं व अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर बढ़ते उत्पीड़न पर प्रकाश डाला।

ग्लोबल ह्यूमन राइट्स डिफेंस (जीएचआरडी) एक अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है, जिसका मुख्यालय नीदरलैंड के हेग में है। यह संगठन वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों की वकालत और सुरक्षा के लिए समर्पित है। जातीय, भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों के व्यापक मानवाधिकार उल्लंघन मामलों पर इसका खास ध्यान है।

एनजीओ ने अपने बयान में कहा कि यह आयोजन का उद्देश्य सरकारों और वैश्विक संस्थाओं की ओर से नजरअंदाज किए जा रहे धार्मिक व जातीय अल्पसंख्यकों के संघर्ष पर ध्यान आकर्षित करना है। रोहिणी घावरी ने कहा, बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। धर्म के नाम पर लोग एक-दूसरे की हत्या कर रहे हैं। उन्होंने यूएन के सामने लगाए गए विरोध शिविर का जिक्र करते हुए कहा कि ईसाई, बौद्ध और हिंदू समुदायों के लोग एकजुट होकर दुनिया का ध्यान खींच रहे हैं।

घावरी ने कहा, हम इन अत्याचारों को रोकने के लिए वैश्विक हस्तक्षेप की मांग करते हैं। यूएन में दुनियाभर के मानवाधिकार कार्यकर्ता अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं की जमीनें जब्त की जा रही हैं, उनके मंदिर तोड़े जा रहे हैं और महिलाओं के साथ यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ी हैं। पाकिस्तान में भी ईसाइयों और हिंदुओं को जबरन धर्मांतरण के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है। जीएचआरडी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इन देशों पर दबाव बनाने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

अमेरिका में तूफान ने मचाई तबाही, 32 लोगों की मौत; हजारों घरों को भारी नुकसान

वाशिंगटन। अमेरिका के कई इलाकों में आए जबरदस्त तूफान में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।मिसौरी प्रांत राजमार्ग गश्ती दल ने शनिवार को बताया कि मिसौरी में आए तूफान के कारण 12 लोगों की मौत हो गई।

एजेंसी ने बताया कि कई लोग घायल भी हुए हैं। अर्कंसास के अधिकारियों ने शनिवार सुबह कहा कि इंडिपेंडेंस काउंटी में तीन लोगों की मौत हो गई और आठ काउंटी में 50 से अधिक लोग घायल हो गये। अर्कंसास के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग ने एक बयान में कहा कि राज्यभर की सोलह काउंटी में मकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचने के साथ-साथ बिजली की लाइनें और पेड़ गिरने की सूचना मिली है।

अधिकारियों ने कहा कि टेक्सास पैनहैंडल की अमरिलो काउंटी में धूल भरी आंधी के दौरान कार दुर्घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई। इससे पूर्व मिसौरी प्रांत राजमार्ग गश्ती दल ने बताया था कि मिसौरी के बेकर्सफील्ड क्षेत्र में आये तूफान के कारण कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गये।

मिसौरी के बटलर काउंटी के कोरोनर जिम एकर्स ने बताया कि शनिवार को सुबह बेकर्सफील्ड से लगभग 177 किलोमीटर पूर्व में एक मकान के तूफान के चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। एकर्स ने बताया कि बचावकर्मी मकान में मौजूद एक महिला को बचाने में सफल रहे।

मेयर जोनास एंडरसन ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया पर बताया कि अर्कंसास के केव सिटी इलाके में पांच लोग घायल हो गए हैं, जहां अगले आदेश तक आपातकाल लागू कर दिया गया है। ओक्लाहोमा के कुछ समुदायों के लोगों को क्षेत्रों से जाने की सलाह दी गई है क्योंकि राज्यभर में आग लगने की 130 से अधिक घटनाएं सामने आईं।

ट्रेन हाईजैक के बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बल को ले जा रही बस में विस्फोट, पांच अधिकारियों की मौत

बलूचिस्तान। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान के नौशकी में सुरक्षा बलों को लेकर जा रही बस में विस्फोट हो गया। हमले में पांच सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई। जबकि 12 सैन्यकर्मी घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बलूच लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। वहीं बलूचिस्तान सरकार ने हमले की निंदा की है।

पुलिस ने बताया कि पाकिस्तानी सेना की बसें सुरक्षा बलों को लेकर जा रही थीं। स्थानीय पुलिस प्रमुख जफर जमानानी ने बताया कि बलूचिस्तान के नौशकी जिले में नौशकी-दलबंदिन राजमार्ग पर एक बस के पास सड़क किनारे बम विस्फोट हुआ। विस्फोट से पास की एक दूसरी बस भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मृतकों और घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने हमले की निंदा की। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा कि निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना एक क्रूर कृत्य है। रिंद ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। रिंद ने कहा कि शत्रु तत्व देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। आतंक के जरिये लोगों का मनोबल नहीं गिराया जा सकता। हम दुख की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हैं। किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि हमला बलूच लिबरेशन आर्मी ने कराया है।

ट्रेन कर ली गई थी हाईजैक

मंगलवार को क्वेटा से पेशावर के लिए रवाना हुई जफर एक्सप्रेस को विद्रोहियों ने गुडलार और पीरू कुनरी की पहाड़ी इलाकों के पास एक सुरंग में बंधक बना लिया था। विद्रोहियों ने पटरी को उड़ा दिया और ट्रेन के रुकते ही उस पर कब्जा जमा लिया था। नौ डिब्बों की ट्रेन में 400 से अधिक यात्री सवार थे। बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी ली थी और 214 यात्रियों को बंधक बनाने का दावा किया था। विद्रोहियों ने जब ट्रेन पर हमला किया था तब 21 यात्रियों की हत्या कर दी थी। जवाब में सुरक्षा बलों ने अभियान चलाकर सभी 33 हमलावरों को मार गिराया था।

ट्रंप ने सरकार को छह महीने के वित्तपोषण वाले विधेयक पर किए हस्ताक्षर, शटडाउन का टला खतरा

वाशिंटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सितंबर के अंत तक सरकार को वित्तपोषित करने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, जिससे फिलहाल सरकारी शटडाउन का खतरा टल गया है और कांग्रेस में चल रहा संघर्ष समाप्त हो गया है। इस मुद्दे पर डेमोक्रेट्स के बीच भी मतविभाजन दिख रहा था।। व्हाइट हाउस के प्रधान उप प्रेस सचिव हैरिसन फील्ड्स ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ट्रम्प ने शनिवार को सतत प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। इस विधेयक में सरकारी वित्तपोषण को मोटे तौर पर जो बाइडन के राष्ट्रपतित्व काल के दौरान निर्धारित स्तर पर ही रखा गया है। हालांकि इसमें कुछ बदलाव भी किए गए हैं। इसमें पिछले वर्ष की तुलना में गैर-रक्षा व्यय में लगभग 13 बिलियन अमेरिकी डॉलर की कटौती की गई है तथा रक्षा व्यय में लगभग 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि की गई है, जो कि लगभग 1.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के शीर्ष व्यय स्तर को देखते हुए मामूली परिवर्तन है। सीनेट ने शुक्रवार को 54-46 पार्टी लाइन वोट से विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसमें सीनेट डेमोक्रेटिक कॉकस के 10 सदस्यों ने अपनी पार्टी के भीतर विरोध के बावजूद विधेयक को पारित करने में मदद की। सीनेट डेमोक्रेट्स ने कई दिनों तक इस बात पर बहस की कि क्या शटडाउन बढ़ावा दिया जाए, क्योंकि सदन में रिपब्लिकन ने उनके इनपुट के बिना ही खर्च के उपाय का मसौदा तैयार किया और उसे पारित कर दिया। डेमोक्रेट्स ने कहा कि यह कानून स्वास्थ्य सेवा, आवास और अन्य प्राथमिकताओं को कमतर तरीके से आंकता है और ट्रम्प को संघीय खर्च को पुनर्निर्देशित करने की पूरी छूट देता है, और उनका प्रशासन और सरकारी दक्षता विभाग कांग्रेस की ओर से स्वीकृत एजेंसियों और कार्यक्रमों को तेजी से खत्म कर रहा है।

अंत में, अधिकांश डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने यह निर्णय लिया कि सरकार को बंद करना वित्त पोषण विधेयक को पारित करने से भी अधिक बुरा होगा। सीनेट के डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने कहा कि शटडाउन से ट्रम्प प्रशासन को संपूर्ण एजेंसियों, कार्यक्रमों और कर्मियों को गैर-आवश्यक मानने की क्षमता मिल जाएगी, और कर्मचारियों को बिना किसी वादे के छुट्टी पर भेज दिया जाएगा कि उन्हें फिर से काम पर रखा जाएगा।

नवनियुक्त भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल को मिली बधाइयां

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। रविवार को भारतीय जनता पार्टी के जिला एवं महानगर अध्यक्षों की घोषणा का लैटर जारी हुआ, जिसमें गाजियाबाद भाजपा महानगर अध्यक्ष पद पर मयंक गोयल को जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजनगर एक्सटेंशन स्थित कार्यक्रम के दौरान मयंक गोयल के नाम की घोषणा होने के बाद उनको बधाइयां एवं शुभकामना देने वालों का तांता लग गया। सांसद सिद्धार्थ सिंह ने उनके नाम की घोषणा की तो इस मौके पर गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग, मुरादनगर विधानसभा सीट से विधायक अजीत पाल त्यागी, पूर्व मेयर अशु वर्मा, बलदेवराज शर्मा, राजेंद्र त्यागी, अशोक गोयल, अजय शर्मा, सरदार एसपी सिंह, पृथ्वी सिंह कसाना, मानसिंह गोस्वामी, पप्पू पहलवान, बॉबी त्यागी, रनिता सिंह सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

45वीं नेशनल मास्टर एथलीट चैंपियनशिप संपन्न

चौ. महिपाल सिंह और ऋचा सूद ने गाजियाबाद का नाम किया रोशन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मास्टर एथलीट एसोसिएशन गाजियाबाद के जिला अध्यक्ष अजय प्रमुख और जिला सेक्रेटरी लिखी राम चौधरी ने बताया 45वीं नेशनल मास्टर एथलीट चैंपियनशिप 4 से 9 मार्च को बेंगलुरु में श्री कांटेरवा स्टेडियम स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ग्राउंड कर्नाटक में हुई। जिसमें गाजियाबाद से 60 प्लस आयु वर्ग में चौधरी महिपाल सिंह अटौर गांव के रहने वाले ने भाग लिया जिन्होंने 1500 मीटर रेस में गोल्ड, 5000 मीटर रेस में गोल्ड और 10000 मीटर रेस में गोल्ड जीतकर गाजियाबाद जिले का नाम रोशन किया। चौधरी महिपाल पहले भी नेशनल और इंटरनेशनल जिला, स्टेट और मैराथन प्रतियोगिताओं में

अभी तक लगभग लगातार 100 से ज्यादा मेडल 2022 से 2025 तक अर्जित कर चुके हैं। गाजियाबाद की ही ऋचा सूद ने बेंगलुरु चैंपियनशिप में डिस्कस थ्रो में गोल्ड मेडल जीता है जो कि दिल्ली स्टेट से खेलती हैं। दोनों ही खिलाड़ियों ने गाजियाबाद जिले का अपने देश में और इंटरनेशनल लेवल पर नाम रोशन किया है। गाजियाबाद मास्टर एथलीट एसोसिएशन अपने दोनों खिलाड़ियों का बहुत-बहुत स्वागत करती है।

के जी कक्षा में उपभोक्ता अधिकार जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

गाजियाबाद करंट क्राइम। रविवार को सुन्दर दीप वर्ल्ड स्कूल में प्री-प्राइमरी विभाग ने के-जी कक्षा के बच्चों के लिए एक विशेष उपभोक्ता अधिकार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन प्री-प्राइमरी समन्वयक और कक्षा अध्यापकों द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। बच्चों को उत्पादों की समाप्ति तिथि और उनके शरीर पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में बताया गया। बच्चों ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया और उन उत्पादों के बारे में बताया जो समाप्ति तिथि के बाद हानिकारक हो सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान, बच्चों ने भूमिका निभाई, जिससे उन्हें विषय को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली। बच्चों ने यह भी सीखा कि कैसे एक जिम्मेदार उपभोक्ता बनना है और अपने अधिकारों की रक्षा करनी है। इस अवसर पर प्री-प्राइमरी समन्वयक ने कहा, हमारा उद्देश्य बच्चों को बचपन से ही जागरूक और जिम्मेदार उपभोक्ता बनाना है। यह कार्यक्रम बच्चों को उत्पादों की समाप्ति तिथि के महत्व को समझने में मदद करेगा और उन्हें स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करेगा। कक्षा अध्यापकों ने भी कार्यक्रम की सफलता पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि बच्चों ने बहुत उत्साह के साथ भाग लिया और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इस कार्यक्रम के माध्यम से, बच्चों ने उपभोक्ता अधिकारों के बारे में महत्वपूर्ण ज्ञान प्राप्त किया और यह समझा कि उत्पादों की समाप्ति तिथि व उनके इस्तेमाल का ध्यान रखना कितना महत्वपूर्ण है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा को यूं ही पार्टी विद न डिफरेंस नहीं कहा जाता है। रविवार को मयंक गोयल की महानगर अध्यक्ष पर घोषणा होने के बाद पूर्व महानगर अध्यक्ष रहे अजय शर्मा ने एक पुरानी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की। जिसमें बताया कि तीनों 2015 में महामंत्री थे। पार्टी ने तीनों को अध्यक्ष वाला मौका दिया। सोशल मीडिया पर आई इस पोस्ट पर जमकर शुभकामनाएं मिल रही हैं। यह पोस्ट बनी दैनिक करंट क्राइम की पोस्ट ऑफ द डे।